सुविचार

आज के समय में आप
अपना सर्वश्रेष्ठ करें
और वर्तमान का आनंद लें
उसी में खुश रहें।

साप्ताहिक
# युवा प्रदेश
Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक:- नागेश नरवरिया

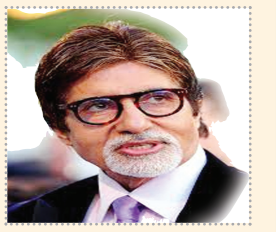

पेज -7

वर्ष 6, अंक 50 | भोपाल, शुक्रवार 21 मई 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

## भारत की हरियाली

भारत की हरियाली देखो
और देखो भारत की शान
सब कुछ इस में समा गया है
ये है मेरा देश महान

इस मिट्टी की बात निराली
भारत मां हम सब की प्यारी
उसकी गोद है स्वर्ग से न्यारी
सोने को तरसे दुनिया सारी

वैसे ये बारिश की बूंदे
कितनी सुंदर लगती है
पतझड़ के मौसम में देखो
दुल्हन जैसी सजती है

भारत की हरियाली देखो
और देखो भारत की शान
सब कुछ इस में समा गया है
ये है मेरा देश महान

■ ममता ठाकुर,
तितिरगांव जगदलपुर

## खांसी व छींक से 10 मीटर तक फैल सकता है कोरोना

### सरकारी ने जारी कीं नई गाइडलाइंस, लोगों को दी सलाह

**नई दिल्ली।** कोरोना संक्रमण से बचने के लिए मास्क लगाने के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग भी उतनी ही जरूरी है। केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन के दफ्तर की ओर से जारी गाइडलाइंस के मुताबिक किसी व्यक्ति की छींक और खांसी 10 मीटर की दूरी तक पहुंच सकती है। कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर जारी की गई अडवाइजरी के मुताबिक किसी भी संक्रमित व्यक्ति की खांसी और छींक वायरस के फैलने का सबसे प्रमुख कारण है। यही नहीं विजयराघवन के ऑफिस की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि खांसी और छींक के जरिए वायरस हवा में 10 मीटर दूर तक जा सकता है। ऐसे में मास्क तो हमेशा पहनना जरूरी ही है। इसके अलावा सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना भी कोरोना से बचाव के लिए जरूरी है। यही नहीं बिना लक्षण वाले कोरोना संक्रमित मरीज की छींक और खांसी से भी वायरस फैल सकता है। इसके अलावा जमीन पर गिरे छींक और खांसी से निकले कण भी संक्रमण का कारण हो सकते हैं।

### तहसीलदार पलक पिढिया के द्वारा कोरोनाकाल में

# नगरीय ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को कर रही है जागरुक

**नीलेश दिवाकर**

**रायसेन।** रायसेन जिले के सुल्तानपुर तहसील मैं पदस्थ तहसीलदार पलक पिढिया द्वारा कोरोनाकाल मै लगातार नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों मैं जाकर आमजन को कोरोना महामारी के प्रति जागरूक कर रही है साथ ही मास्क लगाना और ओर सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने की लोगों को सलाह दे रही है। ग्रामीण क्षेत्रों मैं कोराना महामारी रोकने के लिए लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रही ताकि लोग लापरवाही न बरतें और कोरोना की गाइडलाइन का पालन करें।

**उनका कहना है...**

देश की लगभग 68 प्रतिशत आबादी गांवों मैं निवास करती है ग्रामीण क्षेत्र भारत देश की रीढ़ की हड्डी है अगर गांवों मैं कोरोना महामारी फैली तो हालत बेकाबू हो जायेंगे इसलिए गांवों मैं कोरोना महामारी को रोकना बहुत जरूरी।

# सभी जिला चिकित्सालयों में स्थापित करें पोस्ट कोविड वॉर्ड -स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी

### ब्लैक फंगस के लक्षणों पर रखें नजर

**रायसेन।** स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ हुए रोगियों के प्रबंधन के लिए प्रत्येक जिला चिकित्सालय में पोस्ट कोविड वॉर्ड की स्थापना की जा रही है। इस संबंध में सभी कलेक्टर्स, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को निर्देश जारी किये गये हैं। मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि जिला चिकित्सालय पर स्थापित एक आइसोलेशन वॉर्ड को 10 बिस्तरीय पोस्ट कोविड वॉर्ड स्थापित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि पोस्ट कोविड वॉर्ड में कोरोना से ठीकहो चुके व्यक्तियों, जिनको अत्यधिक थकान एवं सुस्ती, साँस लेने में कठिनाई, घबराहट के लक्षण, तनाव, अवसाद, जोड़ों में दर्द जैसे लघुकालिक एवं दीर्घ-कालिक लक्षण होते हैं। साथ ही रोध प्रतिरोधक क्षमता की कमी वाले कतिपय व्यक्तियों में ब्लैक फंगस जैसे घातक रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे व्यक्तियों का इलाज पोस्ट कोविड वॉर्ड÷ में किया जायेगा। मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि ÷पोस्ट कोविड वॉर्ड÷ में भर्ती मरीज का टेम्प्रेचर, ब्लड प्रेशर, श्वसन की मात्रा, ऑक्सीजन की मात्रा की जाँच प्रति 8 घंटे के अंतराल पर सुनिश्चित की जायेगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रोटोकॉल अनुसार मास्क का उपयोग, हाथों की स्वच्छता, श्वसन शिष्टाचार, शारीरिक दूरी बनाने संबंधी व्यवहारों का पालन किया जाये।

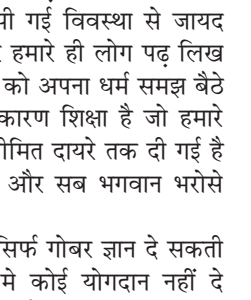

# भीम आर्मी रायसेन जिलाध्यक्ष ने बाड़ी नगर मे ईद-उल-फितर की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कोरोना महामारी से लड़ते रहने की सलाह दी

**रिपोर्टर - देवेन्द्र अहिरवार बाड़ी**
**युवा प्रदेश न्यूज**

**रायसने/बाड़ी।** भीम आर्मी भारत एकता मिशन के रायसेन जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ने तहसील बाड़ी नगर मे ईद-उल-फितर के मौके पर युवाओं को मास्क, सेनेटजर वितरण किए। सभी साथी मुस्लिम भाईयो को ईद की मुबारबाद देते हुए कोरोना महामारी में लोगों की मदद करने के लिए कहा, भीम आर्मी के कार्यकर्ताओ को हर जरूरतमंद व्यक्ति की मदत करने एवं शासन प्रशासन की गाइड लाइन का पालन करने का निवेदन किया।

ईद के इस पवन पर्व की शुभकामयाओ के साथ कोरोना महामारी से भचाओ करते हुए टीका अभियान मे पहले बुजुर्गों को प्राथमिकता देने की बात कही व प्रशासन की लापरवाही पे बोले हुये कहा की हमारा समाज गरीब तबके से आता है कोरोना जैसी महामारी हमारा गरीब समाज झेल नहीं सकता पिछले वर्ष भीम आर्मी ने समाज के जरूरत मंद लोगों को राशन, दवाइयों से लेकर चपल तक का वितरण

किया है शासन प्रशासन की लापरवाही से हमारे लोग घास की रोटी खाने को मजबूर हो गए थे। ऐसे समय मे कोरोना बीमारी के इलाज मे हमारे गरीब भाई बहन केसे अस्पताल का बिल दे पाए गये। जमीन तो है नहीं हमारे पास तिहाड़ी मजदूर है। जिस तबके पे देश मे राजनीति होती आ रही है बस वही गरीब तबका मर रहा है ऑक्सीजन की कालाबाजारी से लेकर वैक्सीन, राहतकोष हर तरह से शिवराज सरकार नाकामियों को छुपने का कार्य कर रही है कोरोना महामारी पे हुई मृत्यु के आकडे गलत बताए जा रहे है सरकार सिर्फ लाशों के ड़ेर पर अपनी सत्ता बचाने का प्रयास कर रही है। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर रावण के नेत्रत्व मे एक दिन हम अपनी सरकार मध्यप्रदेश मे बना पाए गये तभी कुछ न्याय की उम्मीद कर सकते है। आजादी के 75 सालों के बाद भी सिर्फ जाती के नाम से प्रताड़ित किया जा रहा है। जाती हम पे थोपी गई विवस्था से जायद कुछ नहीं है मगर हमारे ही लोग पढ़ लिख कर इस विवस्था को अपना धर्म समझ बैठे है इसका मुख्य कारण शिक्षा है जो हमारे लोगों को एक सीमित दायरे तक दी गई है ताकि भजन करे और सब भगवान भरोसे बैठे रहे।

एसी शिक्षा सिर्फ गोबर ज्ञान दे सकती है मगर विज्ञान मे कोई योगदान नहीं दे सकती ना ही देश को एक अच्छा नागरिक दे सकती। हमारे देश मे कोई भी अच्छे संस्थान नहीं है, जो है, वहाँ अमीरों का कब्जा है या तो रोहित वेमुला जैसा हाल है। एसे हालत मे हम सिर्फ एकजुट होकर संघर्ष कर सकते है जो की बाबा साहब का बताया मार्ग है हम रायसेन के हर गाँव मे भीम आर्मी द्वारा इस संकट भरे समय मे इस महामारी से लड़ने का हर संभवत प्रयास करे गये।

# कोरोना पर देश के 54 जिलों के डीएम से संवाद में बोले पीएम

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना वायरस की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश भर के 54 जिलों के साथ संवाद किया। पीएम मोदी आज कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित 10 राज्यों के 54 जिलों के डीएम के साथ वर्चुअल बैठक की।

इस बैठक में इन जिलों में कोरोना संक्रमण के ताजा हालात और उन पर नियंत्रण पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने 10 राज्यों- छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश के डीएम और फील्ड अधिकारियों के साथ बातचीत की इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस ने आपके काम को और अधिक मांग

और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। नई चुनौतियों के बीच हमें नई रणनीतियों और समाधानों की जरूरत है।

स्थानीय अनुभवों का उपयोग करना महत्वपूर्ण हो जाता है और हमें एक देश के रूप में मिलकर काम करने की आवश्यकता है। पीएम मोदी ने कहा कि आपके फील्डवर्क, आपके अनुभवों और फीडबैक से हमें प्रभावी नीतियां बनाने में मदद मिलती है। यहां तक कि टीकाकरण अभियान की रणनीति बनाने के लिए भी हम राज्यों और अन्य हितधारकों द्वारा दिए गए सुझावों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय 15 दिनों के लिए राज्यों को टीके के संबंध में जानकारी प्रदान कर रहा है।

# ब्लैक फंगस का खतरा तेजी से बढ़ रहा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के शहरी इलाकों में एक तरफ जहां कोरोना संक्रमण की रफ्तार में मामलू कमी आनी शुरु हुई है, तो वहीं यहां अब ब्लैक फंगस का खतरा तेजी से बढ़ने लगा है। आलम ये है कि, सिर्फ राजधानी भोपाल में ही इस घातक इंफेक्शन के शिकार दो लोगों की जान जा चुकी है। भोपाल में हुई पहली मौत शहर के निजी बंसल अस्पताल में 60 वर्षीय महिला की हुई थी।

तो वहीं, दूसरी मौत गुरुवार देर रात शहर के एक अन्य निजी सुदिति अस्पताल में हुई है। बताया जा रहा है कि, सुदिति अस्पताल में जान गवाने वाले कमलेश कुमार को इलाज के लिये राजगढ़ से भोपाल लाया गया था, जो पिछले दिनों कोरोना संक्रमण का शिकार हुए थे। राजगढ़ में ही डॉक्टरों की जांच में सामने आया कि, कमलेश ब्लैक फंगस से ग्रस्त हैं। इसके बाद परिजन बुधवार को उसे भोपाल के हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उन्हें दो घंटे सिर्फ ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया, जबकि इस दौरान

उन्हें किसी डॉक्टर ने देखा तक नहीं, इसी पर मायूस होकर परिजन अपने मरीज को सुदिति अस्पताल ले आए।अस्पताल संचालक डॉ. अनिल गर्ग ने बताया कि, मरीज को यहां बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसे बचाने की हर संभव कोशिश की गई, लेकिन उनकी शारिरिक स्थिति बेहद खराब होने के चलते गुरुवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। इधर, ब्लैक फंगस के मामलों में अचानक तेजी आ जाने के कारण संक्रमण के इलाज स्वरूप इस्तेमाल में आने वाले इंजेक्शनों की भी कालाबाजारी के मामले सामने आने लगे हैं। इसी के चलते शुक्रवार को ड्रग इंस्पेक्टर केएल अग्रवाल ने पुलिस के साथ मेसर्स दवावाला मेडिकोज पर छापामारी कर संबंधित इंजेक्शन की जांच की। टीम को जांच में ब्लैक फंगस के उपचार में इस्तेमाल होने वाले 6 लाइपोजोमल एम्फोटेरेसिन इंजेक्शन मिले। हालांकि, इन इंजेक्शनों का मेडिकल के रिकॉर्ड में कहीं जिक्र नहीं था। इसपर टीम ने मेसर्स दवा वाला के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए स्टोर सील कर दिया है। साथ ही, स्टोर संचालक गौतम पाल के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी के मेडिकल स्टोर संचालन का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले संक्रमित मरीजों को ब्लैक फंगस (म्यूकर माइकोसिस) तेजी से चपेट में ले रहा है। राजधानी में भी ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में तीन दिन पहले शुरू 20 बिस्तर का म्यूकर वार्ड तीन दिन में ही फुल हो गया। खास है, यहां नॉन म्यूकर मरीज के लिए आरक्षित 10 बेड में से 5 बेड पर ब्लैक फंगस के मरीजों को भर्ती करना पड़ा है। हमीदिया में 9 मरीज कोविड वार्ड में भर्ती हैं।

## 2 लाख 68 हजार 726 कोरोना मरीजों तक पहुंची मेडिकल किट

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 2 लाख 68 हजार 726 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 16 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 68 हजार 726 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 ,14 मई को 6 हजार 618, 15 मई को 6 हजार 687 कोविड और 16 मई को 5 हजार 814 मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

## सीएम शिवराज ने जगतगुरु आदि शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण किया

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जगतगुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर आज निवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। आदि शंकराचार्य भारत के महान दार्शनिक और धर्म प्रवर्तक थे। उन्होंने अद्वैत वेदांत को ठोस आधार प्रदान किया। भगवत गीता, उपनिषदों और वेदान्त सूत्रों पर लिखी उनकी टीकाऐं बहुत प्रसिद्ध हैं। आदि शंकराचार्य ने भारत के चार कोनों में चार मठों क्रमशः बद्रिकाश्रम, श्रृंगेरी पीठ, द्वारिका पीठ और पुरी की स्थापना की। उनके विचारोपदेश आत्मा और परमात्मा की एक रूपता पर आधारित हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने महान कवि सूरदास जी की जयंती पर उनका स्मरण किया। आज निवास पर मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। सूरदास जी भक्तिकाल के महान कवि थे। भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य उपासक और बृजभाषा के श्रेष्ठ कवि महात्मा सूरदास हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। वे श्री वल्लभाचार्य के शिष्य थे। सूरसागर, सूरसारावली और साहित्य लहरी उनकी प्रमुख रचनाऐं हैं।

# 25 मई से 2 जून के बीच तापमान 44 डिग्री पार जाने के आसार

**भोपाल।** इस बार मध्य प्रदेश में नौ तपा का प्रभाव अधिक रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, इसका प्रभाव इतना हो सकता है कि, तपे की अवधि अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार जा पहुंचे। अगर मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक तापमान 44 डिग्री के पार जाता है, तो नौ तपे के दिनों में बीते 10 सालों में पहली बार होगा। क्योंकि, इस अवधि में औसत तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार नहीं पहुंच सका है।

अगर ऐसा हुआ, तो ये साल 2012 के बाद पहली बार नौ तपा में इतनी गर्मी होगी। इस बार तापमान में आने वाली इस अधिकता का कारण बताते हुए कहा है कि, इस बार मध्य प्रदेश पर दो साइक्लोन अपने सुनिश्चित समय से पहले आ चुके हैं, यही कारण है कि, इस बार 25 मई से 2 जून तक रहने वाले नौ तपे में तापमान अधिक रहेगा। मौसम विभाग के सीनियर साइंटिस्ट पीके साहा के मुताबिक, इस बार 25 मई से 2 जून तक गर्मी ज्यादा रहेगी। शुरुआती दिनों में ये 44 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि, नौ तपा की अवधि में अकसर

साइक्लोन आते रहे हैं। यही कारण है कि, पिछले 10 सालों से नौ तपा उतना अधिक गर्मी वाला नहीं रहा। इससे पहले साल 2015, 2018 और 2019 में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पहुंचा था। लेकिन, इस बार इन सालों का रिकॉर्ड टूटने का अनुमान है। आपको बता दें कि, इस साल मई माह की अब तक की अवधि में ही दो साइक्लोन आ चुके हैं। इस कारण इस बार नौ तपा में तापमान अधिक रहने का अनुमान जताया जा रहा है।विभाग के मुताबिक, नौ तपा के पहले तीन दिनों का अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के प्रबल आसार हैं। हालांकि, अगर नौ तपा की अवधि में तापमान अधिक रहता है, तो ऐसा भी माना जाता है कि, अधिक तपने वाले इलाके में बारिश भी अधिक होती है। पहले सिस्टम और फिर लोकल गतिविधियों से बारिश अधिक हो सकती है। अप्रैल और मई माह को साइक्लोनी सीजन माना जाता है। इस दौरान हर माह एक-दो साइक्लोन आना आम बात है। अरेबियन सी में कम बनते हैं, लेकिन इस बार यहां मजबूत साइक्लोन बन रहे हैं। इसके अलावा वे ऑफ बंगाल में भी साइक्लोन बन रहा है। ये दोनों सिस्टम पहले ही सक्रीय हो चुके हैं।

## श्योपुर के मरीज अब राजस्थान में करा सकेंगे इलाज

*भोपाल। राजस्थान सरकार ने मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले से कोरोना का इलाज कराने कोटा व सवाई माधोपुर जाने वाले मरीजों पर लगाया प्रतिबंध हटा लिया है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से फोन पर बात की थी। मध्य प्रदेश की सीमा पर राजस्थान पुलिस तैनात की गई है। यहां राजस्थान में प्रवेश उसे ही दिया जा रहा था, जिनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव रहती है। कमलनाथ ने जारी बयान में कहा है, महामारी में प्रदेश के श्योपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं व संसाधनों के अभाव व ग्वालियर की ज्यादा दूरी होने के कारण स्थानीय लोग इलाज खासकर सीटी स्कैन व अन्य आवश्यक जांच के लिए बड़ी संख्या में नजदीकी राजस्थान के कोटा व सवाई माधोपुर नियमित रूप से जाते थे, लेकिन पिछले दिनों इन शहरों में जाने वाले मरीजों को पार्वती व चंबल नदी सीमाओं पर रोक दिया जाता है। श्योपुर के लोगों ने इसकी शिकायत कमलनाथ से की थी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से चर्चा की। प्रतिबंधों में शिथिलता प्रदान करने अनुरोध किया था। गहलोत ने तत्काल निर्णय लेते हुए स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इलाज के लिए राजस्थान आने वालों को ना रोका जाए। बता दें कि श्योपुर में कोरोना के एक्टिव केस 604 हैं, लेकिन इलाज की पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के कारण यहां के लोग कोटा और सवाई माधोपुर जाते हैं। श्योपुर में ऑक्सीजन बेड कुल 96 हैं, इसमें से 63 भरे हैं, जबकि आईसीयू बेड 11 में से 10 भरे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को सुबह कमलनाथ से फोन पर चर्चा कर उन्हें प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।*

### चौहान ने कोविड का इलाज करने से इनकार करने वाले निजी अस्पतालों पर सख्त रुख अपनाया

# कोविड उपचार योजना में संबद्ध प्राइवेट अस्पताल इलाज से मना नहीं कर सकते :शिवराज

**भोपाल।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोविड का इलाज करने से इनकार करने वाले निजी अस्पतालों पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि कोविड उपचार योजना के तहत संबद्ध कोई भी प्राइवेट अस्पताल बेड खाली होने पर कोविड का निःशुल्क उपचार से नहीं कर सकता। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने रविवार देर शाम कोरोना की समीक्षा बैठक बुलाई। उन्होंने कहा, सभी जिलों में सख्ती से संक्रमण रोकने, अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था के साथ ही पोस्ट कोविड केयर पर भी ध्यान दिया जाए। पोस्ट कोविड दुष्प्रभाव होने पर, जो मरीज होम आइसोलेशन अथवा कोविड केयर सेंटर्स में हैं, उन्हें अस्पतालों अथवा पोस्ट कोविड सेंटर्स में भर्ती किया जाए।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण कम हुआ है, लेकिन हमें जरा भी असावधानी नहीं बरतना है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी मास्क न लगाने, कोरोना कर्फ्यू का पालन न करने आदि पर कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि कोविड के पश्चात होने वाले ब्लैक फंगस रोग के इलाज की भी निःशुल्क व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। प्रदेश में इसके इलाज के लिए 2 हजार एम्फोटेरेसिन इंजेक्शन गुजरात से हवाई जहाज से मंगाए जा रहे हैं। प्रदेश में 24,807 कोविड मरीजों को शासकीय एवं निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। इसमें 17,377 का सरकारी अस्पतालों में, 2584 मरीजों का अनुबंधित अस्पतालों में और 4856 मरीजों का मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना के अंतर्गत संबद्ध निजी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। प्रदेश में 441 प्राइवेट योजना के अंतर्गत संबद्ध किए गए हैं। प्रदेश में नकली रेमडेसिविर बेचने वालों, कालाबाजारी करने वाले 55 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं।

## मौसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में अगले चौबीस घंटों के दौरान तेज हवाओं और गरज चमक के साथ साथ बारिश होगी। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश के इंदौर और भोपाल समेत 4 संभागों के अलावा जबलपुर-ग्वालियर समेत 12 जिलों में बारिश होगी। यह बारिश अरेबियन सी के दक्षिण पूर्व में बने तुकाते साइक्लोन के कारण होगी। इसका असर प्रदेश में 19 मई तक रहेगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक जेडी मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ एक ट्रफ के रूप में सक्रिय है। वहीं मध्य पाकिस्तान, बुंदेलखंड और दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हैं, जिससे होकर पूर्व-पश्चिम ट्रफ लाइन झारखंड-असम तक और उत्तर-दक्षिण ट्रफ लाइन विदर्भ-तेलंगाना तक गुजर रही हैं। साथ ही दक्षिण-पूर्वी अरब सागर/ लक्षद्वीप क्षेत्र में निम्न दाब क्षेत्र विकसित हो चुका है। इसके आज से डिप्रेशन और 16 मई को चक्रवातीय तूफान (ताऊ-ते) में प्रभावशाली होने की प्रबल आशंका है। यह 18 मई को गुजरात तट पर पहुंचेगा अरब सागर के दक्षिण पूर्व में चक्रवात सक्रिय हो गया है। भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद उज्जैन संभागों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा जबलपुर, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, शहडोल, उमरिया, पन्ना, दमोह और टीकमगढ़ में बारिश होगी। यहां पर हवा की रफ्तार 40 किमी प्रतिघंटा तक हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 19 मई के बाद तापमान में वृद्धि होगी।

# भेड़ाघाट और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व यूनेस्को की सूची में हुए शामिल

**भोपाल।** कोरोना के संकट काल में एक अच्छी खबर आई है। विश्व धरोहर की सूची में मध्यप्रदेश के दो बड़े पर्यटन स्थलों को भी यूनेस्को ने अपनी सूची में शामिल किया है। अब जबलपुर का भेड़ाघाट-लम्हेटा घाट और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भी यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में आ गए हैं।

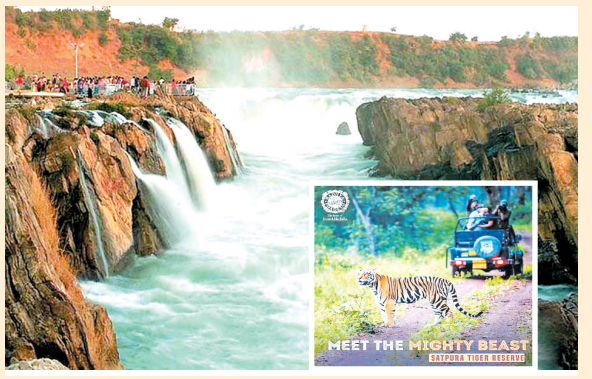


केंद्रीय पर्यटन मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे मध्यप्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट, घड़ियाल स्टेट के साथ ही गिद्ध स्टेट के लिए भी दुनियाभर में चर्चा का विषय है। मध्यप्रदेश अपनी खूबसूरती के साथ ही कई विश्व प्रसिद्ध धरोहरों के लिए भी जाना जाता है। यूनेस्को ने प्रदेश के नर्मदा घाटी में स्थित भेड़ाघाट-लम्हेटा घाट और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को प्राकॉतिक श्रेणी की संभावित सूची में शामिल किया है। अगले चरण में इन स्थलों का नॉमिनेशन डॉजियर यूनेस्को की ओर से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भेजा जाएगा। यूनेस्को ने इन दोनों स्थलों का डिस्क्रिप्शन भी अपनी वेबसाइट पर जारी किया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट संदेश मे कहा है कि यूनेस्को विश्व धरोहर की संभावित सूची में मध्यप्रदेश के भेड़ाघाट और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का शामिल होना हमारे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मध्यप्रदेश के समस्त नागरिकों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं। केंद्रीय पर्यटन मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भी ट्वीट के जरिए इसे 2021 की उपलब्धि बताते हुए सभी प्रदेशवासियों की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यूनेस्को विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल करने के लिए 9 स्थान भेजे थे जिसमें 6स्थानों को स्वीकृति मिली। इसमें माँ नर्मदा जी का सुहावना भेड़ाघाट भी शामिल हुआ बधाई। पटेल ने कहा कि यूनेस्को विश्व धरोहर की संभावित सूची में जिन 6 स्थानों का चयन हुआ उसमें मध्यप्रदेश से भेड़ाघाट और सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व भी शामिल किया है।

# 28 मई तक इंदौर जिले में किराना तथा फल-सब्जी का विक्रय प्रतिबंधित

**इंदौर।** कोरोना संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए प्रशासन ने जनता कर्फ्यू को अब और सख्त बनाने का फैसला किया है। सख्ती के तहत किराना, ग्रोसरी की दुकानों और फल-सब्जी की बिक्री पर 28 मई तक पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इंदौर जिले की सभी थोक और खेरची निजी किराना दुकानें 28 मई तक बंद रहेंगी। चोइथराम और निरंजनपुर फल व सब्जी मंडियों के अलावा जिले के सभी हाट-बाजार तत्काल प्रभाव से बंद रहेंगे। इस संबंध में कलेक्टर मनीषसिंह ने धारा-144 के तहत आदेश जारी किए हैं। किराना दुकानों व सब्जी मंडियों के लिए पहले से लागू सारे आदेश अब वापस ले लिए गए हैं। नए आदेश के मुताबिक, बिग बास्केट, आनडोर, बिग बाजार जैसी एजेंसियां पहले की तरह केवल किराना और ग्रोसरी आयटम की होम डिलीवरी करती रहेंगी। होम डिलिवरी लोडिंग वाहनों से दो कर्मचारियों के साथ की जा सकेगी। साथ ही कर्मचारियों के पास पहचान-पत्र होना अनिवार्य है। होम डिलिवरी सुबह 6 से शाम 5 बजे तक ही हो सकेगी।दूध का घर-घर वितरण सुबह 9 बजे तक और शाम 5 से 7 बजे तक किया जा सकेगा। अगर दूध डेयरी से दूध का बांटा जाता है तो दुकान के शटर आधे बंद रहेंगे। साथ ही दूध दुकान के बाहर रखकर शारीरिक दूरी का पालन कराते हुए या गोले बनाकर ही दूध बांटा जा सकेगा। सुबह 9 बजे के बाद दूध वितरण पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। राजस्व अमले और ग्राम पंचायत के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में किराना दुकानें बंद कराने की जिम्मेदारी एसडीएम की रहेगी। इसी तरह सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में भी यह दुकानें शत-प्रतिशत बंद रहेंगी। दरअसल, जिले में 29 मई तक जनता कर्फ्यू पहले से है। इसके बावजूद दिन में और शाम को कुछ लोग बेवजह घर से बाहर निकल रहे हैं। दी गई छूट का दुरुपयोग किया जा रहा है। जनता कर्फ्यू के बीच सख्ती का यह शिकंजा इसलिए कसा गया है कि 31 मई तक कोरोना की कड़ी को और कमजोर कर दिया जाए, जिससे संक्रमण की घटती दर और नीचे चली जाए।

### सीहोर व अनूपपुर कलेक्टर बदले

## सीएम शिवराज के गृह जिले सीहोर की कमान चंद्र मोहन ठाकुर को मिली

**भोपाल।** राज्य सरकार ने सीहोर और अनूपपुर के कलेक्टर बदल दिए हैं। बताया जाता है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम में उल्लेखनीय काम नहीं होने के कारण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर के कलेक्टर अजय गुप्ता को हटाकर मंत्रालय में उप सचिव बनाया गया है। अब यहां अनूपपुर कलेक्टर चंद्र मोहन ठाकुर को पदस्थ किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के मुताबिक पर्यटन विकास बोर्ड में अपर प्रबंध संचालक सोनिया मीणा को अनूपपुर का कलेक्टर बनाया गया है। इससे इससे पहले दमोह कलेक्टर को हटाया गया था। वजह उप चुनाव में बीजेपी को मिली हार के साथ कोरोना संक्रमण का बढ़ना था। मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि सीहोर में 957 एक्टिव केस हैं और संक्रमण दर का साप्ताहिक औसत 12ब है। जबकि अन्य जिलों में संक्रमण दर लगातार कम हो रही है। बताया जा रहा है कि किल कोरोना अभियान में गुप्ता ने सक्रिय भूमिका नहीं निभा रहे थे। कोरोना की समीक्षा बैठक के दौरान भी मुख्यमंत्री कई बार उन्हें चेतावनी भरे लहजे में व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश दे चुके थे। अनूपपुर में एक्टिव केस 8524 है। लेकिन चंद्रमोहन को यहां से हटाकर सीहोर भेजने की वजह कोरोना नहीं है। सरकार अमरकंटक को बड़े टूरिज्म के तौर पर प्रमोट करने का प्लान कर ही है। यही वजह है कि मुताबिक पर्यटन विकास बोर्ड में अपर प्रबंध संचालक सोनिया मीणा को अनूपपुर का कलेक्टर बनाया गया है।

## कोरोना वालेंटियर लखन और नरेन्द्र के प्रयासों से ग्रामीण हो रहे जागरूक

**रायसेन।** कोरोना संक्रमण रोकने हेतु जिले में चलाए जा रहे मैं कोरोना वालिंटियर अभियान के अंतर्गत मप्र जनअभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियों एवं कोरोना वालिंटियर द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही पात्र लोगों को वैक्सीनेशन सेंटर तक ले जाकर वैक्सीन लगवाने में भी मदद की जा रही है। सॉची जनपद के तहत ग्राम डाबर में कोरोना वालिंटियर लखन पटेल तथा नरेन्द्र बघेल द्वारा घर-घर जाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है और कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। साथ ही युवाओं को वैक्सीन लगवाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। गॉव में कोरोना कर्फ्यू का पालन करते हुए लोग अनावश्यक रूप से घरों से बाहर ना निकले इसके लिए ग्रामीणों को समझाईश भी दी जा रही है।

# कोरोना संक्रमण रोकने पूरी क्षमता और निष्ठा से करें काम- संभागायुक्त

**सीहोर।** भोपाल संभागायुक्त श्री कवीन्द्र कियावत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नोडल अधिकारियों की बैठक आयोजित कर जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए की जा रही कार्यवाहियों, कोरोना कर्फ्यू, संक्रमित मरीजों के उपचार एवं किल किरोना अभियान की समीक्षा की। संभागायुक्त श्री कियावत ने अधिकारियों को कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी क्षमता और गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह समय चुनौतीपूर्ण है और कोरोना के विरूद्ध यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक की कोरोना पूरी तरह समाप्त न हो जाये। बैठक में कलेक्टर श्री अजय गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक एसएस चौहान ने जिले में कोरोना संक्रमण रोकने लिए किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया। बैठक में भोपाल जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सांई मनोहर ने सभी पुलिस तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को कोरोना संक्रमण रोकने के लिए समर्पित भाव से समन्वित रूप से कार्य करने के लिए कहा।

संभागायुक्त श्री कियावत ने कहा कि एक भी संक्रमित व्यक्ति सर्वे से छूट गया तो वह हमारे सभी प्रयासों को निष्फल कर सकता है। गॉव या वार्ड में संक्रमित या संदिग्ध लक्षणों के व्यक्ति होने पर पूरी गंभीरता, सजगता से काम करना है। कोरोना संक्रमण को, कोरोना कर्फ्यू अवधि में

नियंत्रित करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किल कोरोना अभियान के तहत गॉवों और नगरों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य सर्वे किया जा रहा है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए त्रि-स्तरीय व्यवस्था की गई है सर्वे दल, सुपरवाईजर और नोडल अधिकारी। तीनों ही स्तर पर पूरी गंभीरता और लगन से काम करने की जरूरत है।

### कोरोना संक्रमण रोकने सर्वे तेजी से किया जाए

संभागायुक्त श्री कियावत ने कहा कि प्रत्येक दल द्वारा हर दिन हर घर का सर्वे किया जाना जरूरी है, जो आज बीमार या संक्रमित नहीं है वह कल हो सकते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करें कि सर्वे दल द्वारा हर दिन हर घर का सर्वे किया जा रहा है। कोरोना संदिग्ध या संक्रमित व्यक्ति की शीघ्र पहचान कर उपचार प्रारंभ करने से कोरोना संक्रमण को प्रारंभिक अवस्था में खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जितना त्वरित उपचार प्रारंभ होगा, उतना ही जल्द मरीज स्वस्थ होगा और सुरक्षित रहेगा।

### सर्वे के दौरान कोरोना संदिग्ध मिलने पर तुरंत प्रारंभ करें उपचार

संभागायुक्त ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सर्वे दलों द्वारा सिर्फ सर्दी, खॉसी या बुखार के लक्षणों की केवल जानकारी नहीं ली जाए, बल्कि सिरदर्द, बदन दर्द, एठन सहित अन्य लक्षणों के बारे में भी लोगों से जानकारी ली जाए। सर्वे दल द्वारा संदिग्ध व्यक्ति को तुरंत चिन्हित करते हुए घर में ही आइसोलेट होने और परिवार के अन्य सदस्यों से दूरी बनाने के लिए कहें। साथ ही मेडिकल किट देते हुए परामर्श अनुसार नियमित मेडिसिन लेने और सावधानी बरतने की समझाईश दी जाए। संभागायुक्त ने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति के साथ-साथ परिजनों को भी सावधानी बरतने की समझाईश दी जाए। संभागायुक्त ने कहा कि सर्वे दल द्वारा चिन्हित व्यक्ति का नाम, पता और मोबाइल नम्बर अपने सुपरवाइजर तथा ब्लॉक कंट्रोल रूम को अवगत कराया जाए।

# कृषकों को सोयाबीन उत्पादन के लिए सलाह

**विदिशा।** किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिले के कृषकों के लिए आवश्यक सलाह दी गई हैं। उप संचालक कृषि ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से 2 से 3 वर्ष में एक बार खेत की गहरी जुताई करना लाभप्रद होता है, अतः जिन किसान भाईयों ने खेत की गहरी जुताई नही की हो, कृपया अवश्य करें। उसके बाद बख्खर/कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें। उपलब्धता अनुसार अपने खेत में 10 मीटर के अंतराल पर सब-सॉयलर चलाए जिससे मिट्टी की कठोर परत को तोडने से जल अवशोषण/नमी का संचार अधिक समय तक बना रहे। खेत की अंतिम बखरनी से पूर्व अनुशंसित गोबर की खाद (10 टन/हे.) या मूर्गी की खाद (2.5 टन हे.) की दर से डालकर खेत में फैला दें। अपने क्षेत्र के लिये अनुशंसित सोयाबीन किस्मों में से उपयुक्त किस्म का चयन कर बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उपलब्ध सोयाबीन बीज का अंकुरण परीक्षण (न्यूनतम 70 प्रतिशत) सुनिश्चित करें। बोवनी के समय आवश्यक आदान जैसे उर्वरक, खरपतवारनाशक, फुंदनाशक, जैविक कल्चर आदि का क्रय कर उपलब्धता सुनिश्चित करें। उप संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि पीला मोजाईक बीमारी की रोकथाम हेतु अनुशंसित कीटनाशक थायोमिथाक्सम 30 एफ.एस. (10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. (1.2 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) से बीज उपचार करने हेतु क्रय/उपलब्धता सुनिश्चित करें। वर्षा के आगमन पश्चात, सोयाबीन की बोवनी हेतु मध्य जून से जुलाई के प्रथम सप्ताह का उपयुक्त समय है। नियमित मानसून के पश्चात लगभग 4 इंच वर्षा होने के बाद ही बुवाई करना उचित होता है।

### भोपाल में एकतरफा प्यार में युवक ने दी जान

**भोपाल।** भोपाल में एक युवक ने एकतरफा प्यार में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। खुदकुशी के पहले लिखे 8 पन्नों के सुसाइड नोट में वह खुद को प्यार में नाकाम होना बताता रहा। वह लिखता है कि मैं उससे तीन साल से फोन पर बातचीत कर रहा था। उसने मुझे धोखा दिया है। अब मैं जीना नहीं चाहता हूं। हालांकि सुसाइड नोट में मृतक ने कहीं भी परिजनों का जिक्र नहीं किया। लड़की इंदौर की है। जहांगीराबाद में रहने वाला 26 साल का विनोद वर्मा एसी मैकेनिक था। उसके पिता नहीं है। विनोद की मां और बड़े भाई-बहन इंदौर में रहते हैं। वह यहां दो मंजिला मकान में अकेला ही रहता था। पड़ोस में रहने वाले उसके चाचा ने बताया कि बुधवार दोपहर विनोद को देखा था। इसके बाद रात दस बजे तक वह नजर आया। चचेरे भाई उसके घर पहुंचे तो नीचे कमरों में वह कहीं नहीं था। पहली मंजिल पर एक कमरे में वह फंदे पर लटका मिला। विनोद के ताऊ के बेटे अमित ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

# नए बिजली कनेक्शन देने में विलम्ब पर तीन सहायक प्रबंधक निलंबित

**भोपाल।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नए बिजली कनेक्शन देने में विलम्ब पर तीन सहायक प्रबंधकों को निलंबित कर दिया गया है। बासौदा (शहर) वितरण केन्द्र में पदस्थ श्री संजय पौराणिक को नए कनेक्शन जारी करने में लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसी प्रकार श्योपुर शहर वितरण केन्द्र के सहायक प्रबंधक श्री संदीप डूंडी को श्योपुर शहर में 77 नए बिजली कनेक्शन के आवेदनों में संबंधित आवेदकों द्वारा वांछित राशि जमा करने के उपरांत भी नया बिजली कनेक्शन नहीं देने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

वितरण केंद्र शाढोरा में 56 निम्न दाब कनेक्शनों के आवेदकों को बिजली कनेक्शन प्रदाय नहीं करने के आरोप में सहायक प्रबंधक श्री नवीन यादव निलंबित किये गए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने सभी मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को सचेत करते हुए कहा है कि हर हालत में नए कनेक्शन के स्वीकृत प्रकरणों में आवेदकों के घर/दुकान रोशन किये जायें। उन्होंने कहा कि कंपनी बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएँ देने के लिए कृत-संकल्पित है। प्रबंध संचालक ने कहा है कि जहाँ एक ओर नए कनेक्शन मिलने से कंपनी को राजस्व मिलता है, वहाँ दूसरी ओर उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि होती है। प्रबंध संचालक ने नवीन कनेक्शन प्रदाय करने, राजस्व वसूली, बिलिंग दक्षता, संग्रहण दक्षता, सीआरपीयू (प्रति यूनिट नकद राजस्व वसूली) में वृद्धि तथा बिजली चोरी में प्रभावी अंकुश लगाने तथा सकल तकनीकी वाणिज्यिक हानियों (एटीएण्डसी) में कमी लाने पर जोर दिया है। प्रबंध संचालक ने कहा है कि उपभोक्ता सेवा के कार्य में कोताही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### जिले में अब तक 8793 कोरोना पॉजीटिव मरीज मिले

#### 7655 कोरोना पॉजीटिव मरीज उपचार के बाद हुए स्वस्थ्य, जिले में 65 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले

**रायसेन।** सेन जिले में अभी तक नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 संक्रमण के कुल 8793 पॉजीटिव मरीज मिले हैं। सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री से प्राप्त जानकारी अनुसार 7655 कोरोना पॉजीटिव मरीज उपचार उपरांत स्वस्थ्य हो गए हैं। जिले में कुल 978 एक्टिव केस है जिनका उपचार किया जा रहा है तथा 160 कोरोना पॉजीटिव मरीजों की मृत्यु हुई है। जिले में अभी तक कुल 102552 संदिग्ध मरीजों के सेम्पल जांच के लिए भेजे गए जिनमें 8793 मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव प्राप्त हुई। इसी प्रकार 92129 सेम्पल की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है तथा 150 सेम्पल की रिपोर्ट प्रतीक्षित है। इनके अतिरिक्त 1233 सेम्पल रिजेक्ट हो गए हैं। होम कोरेंटाइन में रह रहे व्यक्तियों एवं आम जनता के स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए जिला चिकित्सालय रायसेन में टेलिमेडिसिन हेतु मोबाईल, व्हाट्सएप नम्बर 8223991808, 8224041801 जारी किया गया है। इन नम्बरों पर स्वास्थ्य संबंधी समस्या का चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है।

### आयुषी ने भी लगवाया कोरोना से सुरक्षा का टीका

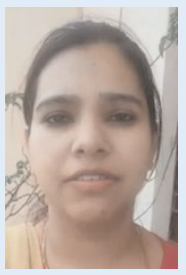

**रायसेन।** कोरोना से बचाव हेतु युवा उत्साह के साथ निर्धारित वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचकर वैक्सीन लगवा रहे हैं। रायसेन स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में युवाओं के वैक्सीनेशन हेतु बनाए गए सेंटर पर आई आयुषी सक्सेना ने भी उत्साह के साथ कोविड वैक्सीन का पहला डोज लगवाया। वैक्सीनेशन के बाद आयुषी ने 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों से वैक्सीन लगवाने की अपील करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण को हराने के लिए जरूरी है कि सभी पात्र लोग वैक्सीन लगवाएं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगवाने के बाद भी लापरवाही नहीं बरतनी है। सभी लोग मास्क लगाएं, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और समय-समय पर हाथों को सैनेटाइज करते रहें या साबुन से धोते रहें।

### होम आइसोलेट मरीजों से प्रतिदिन ली जा रही है

#### स्वास्थ्य की जानकारी, 24 घण्टे काम कर रहा है डिस्ट्रिक कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर

**रायसेन।** जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं होम आइसोलेट मरीजों के स्वास्थ्य पर सतत् निगरानी रखने जिला चिकित्सालय में बनाया गया डिस्ट्रिक कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर 24 घण्टे काम कर रहा है। होम आइसोलेट कोरोना संक्रमित मरीजों से प्रतिदिन फोन पर स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ ही सेंटर पर उपस्थित चिकित्सकों द्वारा आवश्यकतानुसार परामर्श भी दिया जाता है। इसके अतिरिक्त कंट्रोल सेंटर पर कॉल करने वाले लोगों को कोरोना संक्रमण एवं वैक्सीनेशन संबंधी जानकारी भी प्रदान की जाती है। डिस्ट्रिक कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर के नोडल अधिकारी श्री भुवन मोहरीर एवं स्वच्छ भारत अभियान के जिला समन्वयक श्री विनोद बघेल ने बताया कि कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर में ड्यूटीरत अमले द्वारा अभी प्रतिदिन होम आइसोलेट एक हजार से अधिक मरीजों को वीडियो कॉल एवं दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क कर मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है। कंट्रोल सेंटर पर ड्यूटीरत तीन चिकित्सकों द्वारा भी होम आइसोलेट मरीजों से बात कर आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कोरोना हेल्पलाईन नम्बर 1075 सहित अन्य दूरभाष नम्बरों पर प्रतिदिन 150 से अधिक नागरिकों के कॉल प्राप्त होते हैं।

# मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त नर्सेस को प्रोत्साहित करने वीसी के माध्यम से की चर्चा

**रायसेन।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में नवनियुक्त नर्सेस को प्रोत्साहित करने हेतु वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि हमारे यहां नर्स को नर्स कम सिस्टर ज्यादा कहते हैं। सिस्टर मतलब बहन, बहन का अपने परिवार के प्रति जो स्नेह होता है वह अद्भुत है। बहन दया की मूर्ति है। करुणा की देवी है आत्मीयता की प्रतीक है।

इसलिए अपने कार्यक्षेत्र में आज चयनित होकर जाएंगी। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री सहित नवनियुक्त नर्सेस ने मुख्यमंत्री का संबोधन देखा व सुना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ये सामान्य

परिस्थिति नहीं है। एक युद्ध काल है। सवा साल से हम लोग युद्ध लड़ रहे हैं। बीच में एक दो महीने चैन के बीते थे, फिर दूसरी लहर आ गई। ये लहर इतनी तेजी से आई कि हमारी व्यवस्थाएं छोटी पड़ गई। हमारे नर्सिंग स्टॉफ ने दिन और रात काम किया। ऐसी महमारी देखी नहीं गई कभी। इस समय संयम की जरूरत है सिस्टर्स ऐसी हैं जो अस्पतालों में अधिकांश समय पेशेंट्स के साथ रहती हैं। वो है पेशेंट्स की देखभाल करना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे समय में आप काम करने जा रही हो। धैर्य, संयम के साथ और इस संकल्प के साथ कि जिस पवित्र कार्य के लिये हम रखे गये हैं। मरीजों की मानसिक स्थिति कठिन होने के समय आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जीने की इच्छा शक्ति पैदा करना, ऐसी हालत में हमारी ड्यूटी और महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि हम स्नेह से पेशेंट का इलाज करेंगे तो वह आधा तो व्यवहार से ठीक हो जाता है। सकारात्मक विचार के साथ मनोबल बढ़ाना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक भी डोज बेकार नहीं होना चाहिए, वैक्सीन सुरक्षा चक्र है। कोविड पर अब हम नियंत्रण पा रहे हैं। बेड्स की अब कोई कमी नहीं है। पॉजिटिविटी रेट लगातार गिर रही है।

### संक्रमण कम नहीं हुआ, 31 मई तक बढ़ाया कोरोना कर्फ्यू

**रायसेन।** जिले में कोरोना कर्फ्यू 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इसका मुख्य कारण पॉजिटिव प्रतिशत में कमी नहीं होना है। एक माह पूर्व 15 अप्रैल को जब जिले में कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया था तब पॉजिटिव दर 5.34 फीसद थी। जो कि एक माह में बढ़कर 8.71 फीसद हो गई है। पॉजिटिव दर को कम करने के लिए एक पखवाड़े का कोरोना कर्फ्यू फिर से बढ़ा दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि यह दर घटकर 5 फीसद से कम हो जाएगी। उसके बाद बाद ही नागरिकों को कोरोना कर्फ्यू से राहत मिल सकती है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए कलेक्टर उमाशंकर भार्गव द्वारा सम्पूर्ण जिले में सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 17 मई 2021 तक कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया है।

**संभावनाः चौथे दिन देवरी, उदयपुरा में हुई बारिश,**

## 24 घंटे में भी बारिश की संभावना

**रायसेन।** बीते चार दिनों से बादल छाने, तेज हवा के साथ बारिश का दौर चल रहा है। 19 मई को भी देवरी और उदयपुरा में शाम के समय बारिश हुई तो दूसरे क्षेत्रों में बादल छाए रहे और हवा भी चलती रही । बीते 24 घंटे में जिले में 12.1 डिग्री औसत बारिश दर्ज हुई है। इसमें सबसे अधिक बारिश बाड़ी में 33 मिमी और गैरतगंज में 25.4 डिग्री बारिश हुई है। जबकि दो दिन पहले 17 मई को जिले में औसत बारिश 9.3 मिमी,18 मई को 2.5 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। इस तरह से ताऊ ते तूफान के कारण जिले में तेज हवा और बारिश का मौसम बना हुआ है।

### मौसम में आगे

भोपाल मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक जिले में तेज हवा के साथ हल्की बारिश और बिजली गिरने की संभावना बनी रहेगी। हवा के गति 35 किमी प्रति घंटे के हिसाब से रहेगी । दिन का तापमान 1.2 डिग्री कम होकर 35 और रात का तापमान 24 डिग्री दर्ज किया गया है ।

# तेंदुआ ने ग्राम रमपुरा कलां में घर में घुसकर मवेशी पर किया हमला

**गैरतगंज।** तहसील क्षेत्र में फिर से तेंदुए ने हमला करके दहशत फैला दी है। गत वर्ष क्षेत्र के कुछ गांवों में चहलकदमी कर परेशान करने वाले तेंदुए ने इस बार रमपुरा कलां में अपनी आमद दी है। गांव के पास जंगल से आए तेंदुए ने एक घर में बंधे मवेशी पर हमला कर दिया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तेंदुए की क्षेत्र में आमद से भयभीत हो गए हैं।

बीती रात से रमपुरा कलां गांव में तेंदुए की आमद होने की जानकारी मिली है। यहां के रहने वाले हरभजन कुशवाह के घर मे बीती रात तेंदुआ घुस गया तथा घर मे बंधे मवेशी पर हमला कर दिया। जिससे मवेशी की मौत हो गई। दूसरे दिन सुबह किसान जब मवेशी को देखने गया तो उसका एक बछड़ा खून में लथपथ मृत अवस्था में पड़ा था। उसके चेहरे एवं शरीर के अन्य अंगों पर पंजों के निशान साफ दिखाई दे रहे थे। मवेशी का पिछला हिस्सा क्षत विक्षत अवस्था में मिला। मौके पर मौजूद हरभजन, पंचायत सचिव गौरीशंकर श्रीवास्तव एवं पूर्व सरपंच रामस्वरूप लोधी ने बताया कि उनका गांव जंगल क्षेत्र से लगा हुआ है। यहां पूर्व में भी तेंदुए द्वारा कई बार हमला किया जा चुका है। इस घटना में भी मवेशी की गर्दन पर पंजों के निशान तेंदुए के हैं। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के डिप्टी रेंजर दीनदयाल उइके अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा मुआयना किया। उन्होंने बताया कि मवेशी पर हमला जंगली जानवर ने ही किया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

# वैक्सीन लगवाने बाहर से आ रहे युवा, 77 में से सिर्फ 5 स्थानीय रहे

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर के हायर सेकंडरी स्कूल में 18 से 44 वर्ष उम्र तक के युवाओं को वैक्सीनेशन का लाभ दिया गया। यहां 100 युवाओं ने पंजीयन कराया था जिमसें से 77 ही वैक्सीन लगवाने पहुंचे। इनमें से 72 अन्य क्षेत्रों के थे नगर के पांच युवाओं को ही वैक्सीन का लाभ मिल सका है। पहली बार नगर में युवाओं को वैक्सीन लगाई गई। नगर परिषद सुल्तानपुर ने हायर सेकंडरी स्कूल में 18 प्लस के लोगों को वैक्सीनेशन के लिए एक दिन पहले से ही व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई थीं। सुबह 8 बजे से हायर सेकंडरी स्कूल पूर्ण रूप से इस कार्य हेतु सुसज्जित कर दिया गया था। वैक्सीन लगवाने आने वाले युवाओं के स्वागत के लिए लेखन कराया गया था। भवन में रंगरोगन कर दिया है। बैठने के लिए टेंट की व्यवस्था थी। शारीरिक दूरी के हिसाब से बैठक व्यवस्था की गई थी। वैक्सीनेशन लगवाने आने वाले व्यक्तियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े इस हेतु नगर परिषद द्वारा संपूर्ण व्यवस्था वैक्सीनेशन स्थल पर की गई थी।

### कलेक्टर ने 26 क्लस्टर अधिकारियों को जारी किया नोटिस

**रायसेन।** जिले में कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव द्वारा कलस्टरवार अधिकारियों की ड्यूटी लगाते हुए सतत् रूप में कलस्टरों का भ्रमण कर कोरोना कर्फ्यू तथा गाइडलाइन का सख्ती से पालन तथा पर्यवेक्षण के लिए करने के आदेश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री भार्गव द्वारा नियमित रूप से कलस्टर क्षेत्र का भ्रमण नहीं करने वाले 26 अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए जबाव प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री भार्गव द्वारा जिन अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं उनमें श्री केडी ओझा कार्यपालन यंत्री जल संसाधान विभाग, श्री पीके रजक उप वनमण्डलाधिकारी सिलवानी तथा श्री सुनील कुमार सहायक यंत्री जनपद पंचायत सिलवानी शामिल हैं।

# पाइप लाइन 3 स्थानों पर फूटी, हजारों लीटर पानी हुआ बर्बाद

**गैरतगंज।** गैरतगंज में करोड़ों की लागत की सेमरी पेयजल योजना में लापरवाही के चलते पानी सप्लाई की लाइन के फूटने का सिलसिला लगातार जारी है। ऐसा कोई दिन नहीं है जब लाइन न फूटे। रविवार को फिर तीन स्थानों पर लीकेज से परेशानी बन गई तथा पानी बर्बाद होने के साथ ही पेयजल सप्लाई ठप हो गई। टेकापार इलाके में लाइन फूटने के तीन मामले फिर सामने आए। यहां मुख्य लाइन फूटने के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद हुआ। वहीं अधिकांश नगर के अधिकांश वार्डों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई। इसके अलावा भी नगर के अन्य क्षेत्रों में पाइप लाइन फूटने के

दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं। सेमरी योजना में नगर परिषद के तकनीकी अमले एवं ठेकेदार की सांठगांठ से बड़े पैमाने पर की गई गड़बड़ियों एवं घटिया कार्य के चलते यह हालात बने हैं वहीं इस मामले में जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई भी नहीं हो पा रही है। बीते एक सप्ताह में ही आधा दर्जन लीकेज हो चुके हैं जिनमें से कई का सुधार का काम अभी भी चल रहा है तथा ठेकेदार द्वारा सड़कों की खोदाई कर उन्हें बर्बाद करने का काम जारी है। नगर परिषद ने हालांकि ठेकेदार की इस गड़बड़ी पर एक बार उस पर आर्थिक दंड लगा चुकी है, परंतु लापरवाही बदस्तूर जारी है और तकनीकी अमला मौन है। वार्डों के लोग इस मुद्दे पर नगर परिषद जाकर प्रदर्शन कर चुके हैं। अब नगरवासी पानी की समस्या को लेकर बड़े आंदोलन के मूड में हैं। नागरिक गगन गौर, सुधीर भार्गव, राजू विश्वकर्मा, संतोष मालवीय, सतीश साहू, मोहसिन हसन, अमन शर्मा, विकास जैन आदि ने पानी की समस्या हल न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। तकनीकी मामलों के लिए जिम्मेदार नगर परिषद के उपयंत्री सत्यम देवलिया मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं तथा अपने ग्रह निवास बेगमगंज से अपडाउन करते हैं। इस विषय में गड़बड़ियों की जांच कर चुके नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यपालन यंत्री राकेश चौबे का कहना है कि इस मामले में अब वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देकर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संपादकीय

## पंच-परमेश्वरः से गाँव के विकास को मिली नई दिशा

अमर कहानीकार मुंशी प्रेमचंद की कहानी पंच-परमेश्वर भारत के लोकतांत्रिक ढाँचे में आमजन की श्रद्धा और गाँव-गाँव में पुराने समय से स्थापित पंचायत-राज व्यवस्था का अनुपम उदाहरण रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इसी अवधारणा के दृष्टिगत पंचायतों में सुदृढ़ ढाँचा

### मनरेगा में खुले रोजगार के नये द्वार

कोरोना संक्रमण काल में बड़ी तादाद में श्रमिकों की वापसी प्रदेश में हुई है। इसके साथ ही ऐसे श्रमिक भी हैं जो लॉक-डाउन के कारण अपने गृह-प्रदेश नहीं लौट पाये, उन्हें भी रोजगार मुहैया कराने का काम मध्यप्रदेश सरकार ने किया है। 20 अप्रैल को भारत सरकार द्वारा मनरेगा से जुड़े रोजगार पुन-प्रारम्भ करने की गाइड लाइन जारी की गई। प्रदेश में 73 लाख से अधिक जॉब कार्ड जारी किये गये हैं। इनमें 29 जून को 20 लाख 65 हजार श्रमिकों को 7 लाख 79 हजार कार्यों में रोजगार प्रदान किया जा रहा है। अभी तक प्रदेश में 1861 करोड़ रूपये की राशि मजदूरी के रूप में तथा 616 करोड़ रूपये की राशि निर्माण सामग्री के रूप में भुगतान की गई है। प्रदेश में लौटकर आए प्रवासी मजदूरों को नवीन जॉब कार्ड मुहैया कराने के लिए श्रम सिद्धि योजना प्रारंभ की गई, अभी तक 3 लाख 65 हजार श्रमिकों के नवीन जॉब कार्ड बनाए जा चुके हैं।

तैयार करने में पंच-परमेश्वर योजना का सूत्रपात किया गया है। मध्यप्रदेश में 23 मार्च 2020 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के साथ ही कोविड-19 जैसी महामारी से निपटने के महा-अभियान की शुरूआत भी हुई है। 22 हजार 812 ग्राम पंचायतों और 55 हजार से अधिक गाँव वाले इस राज्य में 2 तिहाई आबादी गाँव में ही निवास करती है। इन परिस्थितियों, इतनी आबादी और पंचायत राज संस्थाओं को सक्रिय बनाना एक बड़ी चुनौती थी। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 (नियंत्रित करने) के लिए बहु-आयामी रणनीति पर काम किया गया। इसका परिणाम है कि मध्यप्रदेश में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कोरोना मरीजों की संख्या कम रही है। ग्रामीण अंचल में कोरोना से लड़ने तथा पंचायतों के सुदृढ़ीकरण में पंच-परमेश्वर योजना वरदान साबित हुई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 जून को 14वें वित्त आयोग की 1555 करोड़ रूपये की राशि ग्राम पंचायतों को जारी की। इतनी बड़ी मात्रा में एक साथ राशि मिलने से ग्राम-पंचायतों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। प्रदेश में औसतन 7 से 8 लाख रूपये की राशि एक ग्राम-पंचायत के खाते में पहुँची है। राज्य सरकार ने पंच-परमेश्वर योजना की गाइडलाइन में भी ग्राम-पंचायतों को अधिक स्वतंत्रता और स्वायत्ता दी। कोरोना संक्रमण के इस दौर में ग्राम-पंचायतों के सामने मुख्य चुनौती थी गाँव और ग्रामीणों को कोरोना के संक्रमण से बचाना, गाँव में स्वच्छ पेयजल और अधोसंरचना को सुदृढ़ करना।

# ऐतिहासिक पर्यटक स्थल माण्डू

***भोपाल। माण्डू का पुराना नाम मांडव है, जो मध्यप्रदेश के धार जिले मे स्थित एक प्राचीन गाँव है। माण्डू मालवा के पठार पर स्थित है जिसकी समुद्रतल से ऊँचाई करीब 2 हजार फीट है। मान्डव के दक्षिण दिशा मे निमाड क्षेत्र का विस्तार है। बुंदेलखंड के वीर योद्धा आल्हा ऊदल ने इसी जगह आकर युद्ध किया था, जिसे इतिहास मे माड़ौगढ की लड़ाई के नाम से जाना जाता है7 10वीं सदी मे परमार वंश के शासकों ने सर्वप्रथम मांण्डू को अपनी राजधानी बनाया था।***

परमार वंश के प्रतापी राजा जयवर्मन और भोजराज हुए, नीलकंठ महादेव मंदिर उसी काल का बना है। राजा भोजराज ने माण्डू से दूर अन्य जगह झीलों के किनारे अपनी नई राजधानी बनाई, जिसका बाद मे नाम भोपाल पड़ा। 13वीं सदी मे माण्डू पर मुगलों ने कब्जा कर लिया था। ग्यासुद्दीन और बाजबहादुर के काल मे यहाँ अनेक महल और किले बनवाये गये, इसलिये माण्डू को किलों की नगरी भी कहते हैं। बाद मे मांडव इन्दौर की मराठा रियासत के अधिपत्य मे आ गया था। दिल्ली दरवाजा, जहाँगीर दरवाजा, तारापुर दरवाजा इस नगर के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं। माण्डू एक छोटा सा, कम आबादी वाला विस्तृत क्षेत्रफल मे फैला पहाड़ी गाँव है। पहाड़ी इलाका होने से वर्ष भर यहाँ हरियाली बिछी रहती है। नीम, आम, अमरूद, इमली और बरगद के पेड़ यहाँ बड़ी संख्या में है। झरने, तालाब, मंदिर, मस्जिद, किले, वन, बगीचे और महलों के कारण माण्डू का वातावरण आनंदित करने वाला रहता है, इसलिये इसे खुशियों का शहर भी कहते है।

### जहाज महल

दो जलाशयों के मध्य निर्मित दो मंजिला आयताकार यह महल बरसात में पानी पर तैरते एक जहाज की तरह नजर आता है, इसलिये इसे जहाज महल कहते हैं। इसका निर्माण खिलजी शासक ने 14 वीं सदी मे करवाया था। इस महल के सामने तालाब और बगीचे का समागम महल की सुंदरता पर चार चाँद लगाता है। महल की छतों पर बरसाती जल निकासी का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिलता है।

### हिंडोला महल

पत्थर की टेढ़ी और सपाट बाहरी दीवारों से बना यह महल जहाज महल के पास बना हुआ है, जिसे ग्यासुद्दीन ने बनवाया था। हिंडोला महल के दाई तरफ चम्पा बाबड़ी और हमाम खाना महल वास्तुकला के बेजोड़ दर्शनीय स्थल है।

### तबेली महल

जहाज महल के सामने दो मंजिला छोटा सा महल है, जिसमे संग्रहालय संचालित है। तबेली महल मे जाकर पुरातन कालीन वस्तुएँ निहारी जा सकती हैं

### नीलकंठ मंदिर

सोनगढ किले से एक किलोमीटर पहले महादेव जी का मंदिर पहाड़ी के तल मे बना है। यहाँ जाने के लिये सीढ़ियों से उतरकर पहुँचना होता है। पत्थरों से निर्मित यह मंदिर पहाड़ को काटकर बनाया गया है। मंदिर के अंदर शिव लिंग पर प्राकृतिक पानी की धारा गिरती है।

### बाजबहादुर महल

संगीत के शौकीन मुगल शासक बाजबहादुर ने रेवाकुंड के सामने पहाड़ी की ढलान पर बाजबहादुर महल का निर्माण करवाया था। चौकोर आकार मे बने इस महल के अंदर एक सुंदर बगीचा भी है।

### रूपमती महल

राजा बाजबहादुर ने अपनी प्रियतम रानी रूपमती के लिये इस महल का निर्माण करवाया था। बाजबहादुर के महल से थोडा आगे चलने पर रूपमती का महल ऊँची पहाड़ी पर स्थित है। रूपमती महल के ऊपर दोनों ही किनारों पर छतरीनुमा चौकोर खुले कक्ष बने है। महल की छत से माण्डू का नजारा सर्वाधिक दूर तक मनोहारी दिखता है।

### काँकडा खोह

धार रोड पर माण्डू से 4 किलामीटर पहले कांकडा खोह नाम के स्थान पर एक झरना है, यहाँ 100 फुट के करीब गहरी खाई है। बरसात मे बड़ी जलधारा पर्वतों से होते हुई इसी जगह झरने का रूप लेती हुई नीचे गिरती है। यहाँ आकर काँकडा घाटी का नजारा ऊँट की सवारी करते हुए भी ले सकते हैं। बच्चों के लिये यहाँ विशेष मनोरंजन पार्क बनाये गये है।

### अन्य स्थान

माण्डू के अन्य दर्शनीय स्थलों मे अशर्फी महल, होशंगशाह का संगमरमर से बना मकबरा, जामी मस्जिद, हिंगलाज मंदिर और लोहानी गुफा आदि प्रमुख हैं। मध्यप्रदेश सरकार के मालवा रिट्रीट होटल के अलावा यहाँ और भी अनेक होटल ठहरने के लिये हैं।

## नई शिक्षा नीति से समर्थ भारत का सपना होगा साकार कडॉ. मोहन यादव

**भोपाल।** भारतीय शिक्षा के मूल में संस्कार,अन्तर्निहित शक्तियों का विकास, कौशल विकास तथा नैतिकता के भाव निहित हैं, इस प्रकारशिक्षा का उद्देश्य मनुष्य का सर्वांगीण विकास करना होता है।भारतीय शिक्षा के भाव में सनातनकाल से मानवता के महान आदर्श,मूल्य और सार्वभौमिकता की उच्च कोटि की भावना विद्यमान रही है। आज़ादी के बाद देश में सामाजिक न्याय स्थापित करने के उद्देश्य में व्यापक सफलता न मिल पाने का मूल कारण शिक्षा प्रणाली को लेकर भटकाव तथा दीर्घकालीन और व्यापक योजनाओं का अभाव रहा है। आज़ादी के बाद से ही हमारे देश में ऐसी शिक्षा की आवश्यकता महसूस की जा रही थी जिससे हमारी भावी पीढ़ी विज्ञान के साथ भारतीय आदर्शों और मूल्यों से भी जुड़े। यह विश्वास किया जाता है कि जो लोग एक वर्ष का सोचते हैं, वह अनाज बोते हैं, जो दस  वर्ष का सोचते हैं, वो फलों के वृक्ष बोते हैं, लेकिन जो पीढ़ियों का सोचते हैं वो इंसान बोते हैं। मतलब उसको शिक्षित करना,संस?कारित करना तथा उसके जीवन को तैयार करना। नई शिक्षा नीति एक व्यापक उत्कृष्ट योजना है जो समर्थ भारत के निर्माण की व्यापक संभावनाएं जगाती है। आज़ादी के आठवें दशक में हम प्रवेश कर चुके हैं और इस समय देश के सामने असंख्य चुनौतियां है।

# म.प्र. अब घड़ियाल और गिद्धों की संख्या में नम्बर वन की दहलीज पर

**भोपाल।** मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता विशेष कर वन एवं वन्य-प्राणियों की विविधता के लिए जाना जाता है। मृदा और जल के संरक्षक के रूप में वनों की महत्ता अद्वितीय हैं। मध्यप्रदेश टाईगर और लेपर्ड स्टेट बनने के बाद अब घड़ियाल और गिद्धों की संख्या के मामले में नम्बर वन बनने की दहलीज पर आ पहुँचा है।

### ऐसे बना टाईगर स्टेट

देश में सबसे अधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। पिछले साल बाघों की संख्या 526 होने के साथ प्रदेश को एक बार पुन- टाईगर स्टेट का दर्जा मिला है। इस बीच 4 बाघ कम भी हुए हैं। बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में सर्वाधिक 124 और कान्हा टाईगर रिजर्व में 108, पेंच टाईगर रिजर्व में 87, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व होशंगाबाद में 47 और पन्ना टाईगर रिजर्व में बाघों की संख्या 31 थी। आज से 14 साल पहले वर्ष 2006 में प्रदेश में सर्वाधिक 300 बाघ होने से टॉप पर था। वर्ष 2010 और 2014 में हुई गणना में कर्नाटक और उत्तराखण्ड से पिछड़ कर मध्यप्रदेश तीसरे पायदान पर आ गया था। इसके चार साल बाद वर्ष 2018 में हुई गणना में बाघों के मामले में मध्यप्रदेश ने लम्बी छलांग के साथ देशभर में पहले स्थान पर आकर टाईगर स्टेट का दर्जा मिलने का गौरव हासिल किया। टाईगर स्टेट का दर्जा दिलाने में अति विशिष्ट योगदान देने वाली पेंच टाईगर रिजर्व की बाघिन कॉलर कली के नाम विश्व में सर्वाधिक संख्या में प्रसव और शावकों के जन्म का अनूठा कीर्तिमान है।

### राष्ट्रीय स्तर पर गणना

राष्ट्रीय स्तर पर हरेक चार साल में गणना भारत सरकार के वन्य एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा कराई जाती है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीयूट देहरादून द्वारा इसकी मॉनीटरिंग की जाती है। इस आधार पर बाघ और तेंदुओं की संख्या भारत सरकार द्वारा तय की जाती है। प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों में कुछ ऐसे भी क्षेत्र हैं, जहाँ बाघों की संख्या बहुत कम है। इनमें माधव राष्ट्रीय उद्यान, गांधी सागर अभयारण्य, संजय एवं सतपुड़ा टाईगर रिजर्व और नौरादेही अभयारण्य शामिल हैं। टाईगर ट्रांसलोकेशन में ऐसे क्षेत्र जहाँ बाघों की संख्या कम है, वहाँ पर बाघों को उन क्षेत्रों से जहाँ बाघों की संख्या अधिक है, वे अपनी टेरेटरी बनाने के लिए संरक्षित क्षेत्र से बाहर निकल जाते हैं। इससे जहाँ एक ओर बाघ के आ जाने से क्षेत्र की जैव-विविधता बढ़ेगी, वहीं दूसरी तरफ मनुष्य-वन्य प्राणी द्वन्द की घटनाओं पर विराम लगेगा और बाघ प्रबंधन बेहतर हो सकेगा।

## सफलता के कीर्तिमान स्थापित करता मप्र का किसान

**भोपाल।** यह किसानों के विश्वास और खुशहाली का मध्यप्रदेश है, जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कृतसंकल्पित होकर किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। कोरोना, अतिवृष्टि का संकट हो या किसानों के सामने अन्य कोई भी समस्या, मुख्यमंत्री श्री चौहान राज्य के किसी भी कोने में किसानों के बीच पहुँच जाते हैं। दरअसल मध्यप्रदेश गांवों का प्रदेश है और यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान है।

मुख्यमंत्री स्वयं किसान परिवार से संबंध रखते हैं और किसानों की समस्याओं के निराकरण को लेकर वे बेहद संवेदनशील रहे हैं। यही कारण है कि मध्यप्रदेश के किसानों ने बीते कुछ वर्षों में सफलता के कीर्तिमान गढ़े हैं और अब किसान कल्याण और कृषि उत्पादन में प्रदेश का नाम देश के अग्रणी राज्यों में शुमार किया जाने लगा है। इस समय समूचा विश्व कोरोना की महामारी को झेल रहा है। इसका प्रभाव हमारे रोज़मर्रा के जीवन पर भी पड़ा है और समाज के सभी वर्ग इससे प्रभावित हुए हैं। अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौती का समय होने के बाद भी किसानों के हितों पर कोई आँच न आए, इसका ध्यान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बखूबी रखा जा रहा है। किसान कल्याण में नए आयाम जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने उज्जैन की पावन महाकाल की धरती से प्रदेश के 22 लाख 51 हजार 188 किसानों के खातों में एक साथ 4,686 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की है। वास्तव में किसानों के हितों की रक्षा के लिये मुख्यमंत्री सदैव संकल्पित रहे हैं और यह उनकी नीतियों में भी निरंतर प्रतिबिंबित होता है। उनकी सरकार की प्राथमिकता किसान का हित है और वे हर परिस्थिति में किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

महाकाल की धरती से उन्होंने अपनी सरकार की किसानों को लेकर भावी योजना भी जनता के सामने रखी। किसानों द्वारा रबी सीजन में की गई कड़ी मेहनत को पूरे देश में सराहा गया है। इस वर्ष गेहूँ उत्पादन में प्रदेश के किसानों ने जो इतिहास रचा, उससे मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है।

# Google डेवलप करेगा मैजिक विंडो

## आमने-सामने मुलाकात जैसी होगी वीडियो कॉलिंग

गूगल के Google I/O 2021 की शुरुआत हो गई है। इस इवेंट में गूगल ने कई घोषणाएं की है और आने वाले दिनों की अपनी योजनाओं के बारे में बताया है। इसी क्रम में सुंदर पिचाई ने प्रोजेक्ट Starline की बात की, जिसकी मदद से यूजर्स एक रियल टाइप 3D मॉडल क्रिएट कर सकते हैं। यह प्रति सेकेंड कई गीगाबाइट की स्पीड से डेटा ट्रांसमिट करता है, और इस वजह से आप दूसरे यूजर से बिल्कुल नैचुरल तरीके से आंखों में आंखें डालकर बातचीत कर सकते हैं। आपको ऐसा लगेगा जैसे वो शख्स आपके सामने बैठा है, बस आप उसे छू नहीं पाएंगे।

इस टेक्नोलॉजी की मदद से आप विंडो के दूसरी तरफ बैठे इंसान को लाइफ साइज 3-ष्ठ डायमेंशन में देख सकेंगे। आप उससे उसी तरह बात कर सकते हैं, जैसे वो आपके सामने बैठा हो। इसके लिए Project Starline हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों का इस्तेमाल करेगा और फिर आप जिसके साथ कॉल पर है, उसकी लाइफ साइज इमेज और वीडियो क्रिएट किया जाएगा। त्रश्श्द्द्यद्द ने बताया ये आपको ऐसा लगेगा जैसे आप किसी मैजिक विंडो से अपने सामनेवाले को देख रहे हों। इसे डेवलप होने पर ऑनलाइन कम्यूनिकेशन की पूरी दुनिया ही बदल जाएगी। इस टेक्नोलॉजी के लिए त्रश्श्द्द्यद्द व्यक्ति के shape, size और बनावट को कई कैमरा सेंसर्स की मदद से अलग-अलग एंगल से कैप्चर करता है। उसके बाद सभी इमेज को कलेक्ट कर कंबाइन किया जाता है। इससे एक 3ष्ठ मॉडल तैयार होता है, जिसे फोन की दूसरी तरफ बैठे व्यक्ति को रियल टाइम में दिखाया जाता है। इस वजह से सब कुछ असली और नजर के सामने होता दिखता है। Google ने इस बारे में डेवलपर्स को एक वीडियो भी दिखाया और Project Starline का यूज करके वन-टू-वन इंटरएक्शन दिखाया गया। अभी इस प्रोजेक्ट की टेस्टिंग चल रही है, और इसे कब लॉन्च किया जाएगा, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। Google I/O Event तीन दिनों तक चलेगा, जो 20 मई को खत्म होगा। इस दौरान गूगल की ओर से कई और तकनीकों और उत्पाद पेश किया जा सकते हैं।

# मारूती सुजुकी लाएगी सबसे सस्ती इलेक्ट्रॉनिक कार

### जल्द लॉन्च होगा वैगनर का इलेक्ट्रिक मॉडल

*भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें आसमान छू रही हैं। देश के कई शहरों में पेट्रोल की कीमतें 100 के पार हो गई हैं और डीजल की कीमतें भी शतक के पास पहुंच रही हैं। मंहगे तेल के चलते भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इस वजह से बीते कुछ सालों में इंडियन मार्केट में कई नए इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किए गए हैं। अब देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी घरेलू बाजार में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। खबरों की मानें तो Wagonr का इलेक्ट्रिक वर्जन कंपनी का पहला इलेक्ट्रिक वाहन होगा। कई अलग-अलग मौकों पर टेस्टिंग के दौरान इस कार को स्पॉट किया गया है।*

## इसी साल बाजार में दिख सकती है कार

यह कार दिखने में प्रोटोटाइम मॉडल जैसी ही है, जिसे कंपनी ने इससे पहले भी कई बार टेस्ट किया है। माना जा रहा है कि कंपनी इस कार को इसी साल बाजार में उतार सकती है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कंपनी की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। पिछले साल मारुति सुजुकी ने 50 तरह के मॉडलों को टेस्टिंग के लिए सड़कों पर उतारा था। जिन्हें अलग-अलग सड़कों और वेदर कंडिशन में टेस्ट किया गया है। पिछली रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी वैगनआर इलेक्टिक को पहले फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए कमर्शियल प्रयोग के लिए लॉन्च कर सकती है, इसके बाद इसे निजी वाहन के रूप में भी बाजार में उतारा जाएगा।

### स्टैंडर्ड और फास्ट चार्जिंग का विकल्प

अभी कंपनी ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन बताया जा रहा है कि ये ड्ड्डद्दश्ठ्ठ्ह्व के थर्ड जेनरेशन मॉडल पर बेस्ड होगी। हालांकि, इलेक्ट्रिक कार होने की वजह से इसमें कुछ बदलाव होने लाजिमी हैं। इस कार में स्टैंडर्ड और फास्ट चार्जिंग दोनों विकल्प दिए जाएंगे।

### एक चार्ज में 200 किलोमीटर का सफर

Maruti Wagonr की इलेक्ट्रिक मॉडल एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक का सफर पूरा करेगी। रेगुलर चार्जर से बैटरी पूरी तरह करने में लगभग 7 घंटे का समय लगेगा। वहीं फास्ट चार्जिंग सिस्टम से ये कार महज 1 घंटे में ही 80त्र तक चार्ज हो जाएगी। कंपनी इस कार में एडवांस फीचर्स और तकनीक का इस्तेमाल करेगी। माना जा रहा है कि ये देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार होगी।

# WhatsApp की नई प्राइवेसी पॉलिसी पर सरकार सख्त, 7 दिनों में मांगा जवाब

*व्हाट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर विवाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। सूत्रों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने व्हाट्सएप को अपनी नई पॉलिसी को वापस लेने का आदेश दिया है। इससे पहले व्हाट्सएप ने दावा किया था कि उसने 15 मई से लागू होनेवाली नई प्राइवेसी पॉलिसी को टाल दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने मंत्रालय की ओर से इस संबंध में 18 मई को एक पत्र भी भेजा गया है। इसमें मंत्रालय ने व्हाट्सएप को स्पष्ट शब्दों में बताया है कि कैसे उसकी नई प्राइवेसी पॉलिसी मौजूदा भारतीय कानूनों और नियमों के कई प्रावधानों का उल्लंघन करती है। मंत्रालय ने भारतीय यूजर्स के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार के मुद्दे को भी उठाते हुए कहा जैसा कि आप निश्चित तौर पर जानते हैं, कई भारतीय नागरिक रोजमर्रा की जिंदगी में संवाद करने के लिए व्हाट्सएप पर निर्भर हैं। यह ना सिर्फ समस्या पैदा करनेवाला है, बल्कि गैर जिम्मेदाराना भी है कि व्हाट्सएप अपनी इस स्थिति का लाभ उठाते हुए भारतीय यूजर्स पर अनुचित नियम और शर्तें थोपे। खास तौर पर ऐसे नियम जो यूरोपीय यूजर्स की तुलना में भारतीय उपयोगकर्ताओं के साथ भेदभावपूर्ण हैं।*

> **आईटी मंत्रालय ने व्हाट्सएप का नई प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कड़ा एतराज जताया है और 7 दिनों में जवाब मांगा है।**

### चाहिए फोल्डेबल स्मार्टफोन?

## Motorola Razr पर मिल रहे हैं कई आकर्षक ऑफर

*आप फ्लिपकार्ट पर सबसे सस्ता फोल्डेबल स्मार्टफोन खरीद सकते हैं, जिसे काफी कम कीमत और कई ऑफर्स के साथ पेश किया गया है। अगर आप ठीक-ठाक बजट के साथ एक फोल्डेबल स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं, तो इस समय बेहतर मौका है। इन दिनों मोटोरोला के स्मार्टफोन Motorola Razr पर काफी आकर्षक ऑफर्स चल रहे हैं। खास तौर पर फ्लिपकार्ट पर यह काफी कम कीमत में उपलब्ध है। करीब डेढ़ लाख कीमत वाले Motorola Razr को आप 54,999 रुपए में खरीद सकते हैं। यदि आप HDFC बैंक कार्ड और ईएमआई ऑफर के जरिए खरीदारी करते हैं, तो कीमत में कटौती के साथ, फ्लिपकार्ट आपको अतिरिक्त 10 प्रतिशत की छूट भी देगा। यानी इसकी कीमत घटकर 53,999 रुपए हो जाएगी। अगर आपके पास HDFC का कार्ड नहीं है, तो flipcart-A&is bank Credit card से खरीदारी करने पर आपको 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलेगा।*

हैप्पी वेडिंग एनिवर्सरीः

# शादी की पांचवी सालगिरह में ऑक्सीजन सिलेंडर डोनेट करेंगी अमृता राव

## ■सालों तक डेट करने के बाद की थी अनमोल से सीक्रेट शादी

इश्क विश्क, विवाह जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुकीं अमृता राव ने साल 2016 में आरजे अनमोल से गुपचुप शादी की थी। कपल आज अपनी शादी की पांचवी सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके को धूमधाम से सेलिब्रेट करने की बजाय सेलेब्स ने जरूरतमंद लोगों की मदद करने का फैसला किया है। अमृता ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अनमोल और अपनी एक थ्रोबैक फोटो शेयर की है। इस तस्वीर में कपल वेकेशन एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने जानकारी देते हुए लिखा, है, आज अपनी वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर, हम जरूरतमंद लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया करवाने का वादा करते हैं। आगे एक्ट्रेस ने लिखा, हम अपनी गुड विशेज देने वालों से भी आग्रह करते हैं कि वो समाज और देश के लिए सर्विस देने में मदद करें। हम पिछले एक महीने से अपने बेहतरीन डोनर्स के साथ ऑक्सीजन आर्मी का काम कर रहे हैं, और आगे भी करते रहेंगे। जय हिंद।

### खुद को खुशकिस्मत मानते हैं आरजे अनमोल

एनिवर्सरी के खास मौके पर आरजे अनमोल ने भी पत्नी अमृता के लिए एक पोस्ट शेयर की है। एक खूबसूरत तस्वीर के साथ अनमोल लिखते हैं, एक बेहतर दुनिया की आशा करता हूं। जय हिंद। एक दिमागदार पार्टनर मिलने पर खूद को खुशकिस्मत समझता हूं।

### एक इंटरव्यू में अमृता को दिल दे बैठे थे अनमोल

अमृता और अनमोल की पहली मुलाकात एक इंटरव्यू के दौरान हुई थी। अनमोल एक्ट्रेस का इंटरव्यू लेने पहुंचे थे जहां वो एक नजर में ही उनके दीवाने हो गए थे। इंटरव्यू के बाद अमृता ने भी अनमोल से दोस्ती कर ली, जिसके बाद दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया। बता दें कि कपल ने सात सालों तक अपने रिश्ते को फैंस और मीडिया से छिपाकर रखा था। हाल ही में कपल एक बेटे के पैरेंट्स बने हैं जिसका नाम वीर है।

मददगार सितारः किन्नरों और विधवाओं की हेल्प करने टिस्का चोपड़ा की नई पहल-

# इंडिया फॉर मदर्स

टिस्का चोपड़ा और विकास खन्ना कोरोना महामारी से जूझ रहे लोगों की मदद को आगे आए हैं। इस बार इन्होंने ट्रांसजेंडर्स और विधवा महिलाओं की मदद का बीड़ा उठाया है। टिस्का ने विकास के साथ मिलकर इंडिया फॉर मदर्स नाम का इनीशिएटिव लिया है ताकि इस मुश्किल वक्त में इनकी मदद की जा सके।

### उन्हें हमारी मदद की जरूरत है

टिस्का ने एक इंटरव्यू में कहा कि जब विकास की टीम ने उनसे इस काम के लिए पूछा तो वे तुरंत तैयार हो गईं। टिस्का कहती हैं कि ये माताएं न केवल पालन-पोषण करती हैं, बल्कि प्रदाता भी हैं और कई इस महामारी के दौरान बेरोजगार और यहां तक कि बेघर भी हो गई हैं। इसी तरह किन्नर समाज को भी जरूरत है। कईयों के पास कोई काम नहीं, उन्हें हमारे सपोर्ट की दरकार है। गौरतलब है कि इसके पहले टिस्का ने टिस्का की टेबल नाम से एक पहल की थी। अब उन्होंने इसी का यूज महामारी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए किया है।

टिस्का कहती हैं- हमने यह नानावटी और कूपर अस्पतालों में कोविड वार्डों में नर्सेस और वार्ड बॉय को खाना भेजने के लिए शुरू किया, ताकि उन्हें उनके निस्वार्थ काम के लिए प्यार दिखाया जा सके।

### हर घंटे बदल रही है जरूरत

एक्ट्रेस ने कहा कि अभी चारों ओर जो हाल हैं वह बहुत बुरे हैं। लोगों की जरूरतें हर दिन बदल रही हैं। अप्रैल के बीच में हालात बहुत भयानक थे। जो 10 मई तक एक से रहे। कोरोना के सेंटर बदलते रहे। पहले मुंबई, फिर दिल्ली, फिर कोलकाता और बैंगलुरु। अब यह यूपी में तबाही मचा रहा है। जरूरत बदल रही हर घंटे। आईसीयू और ऑक्सीजन से शुरू हुई, फिर प्लाज्मा। अब श्वष्टस्ह्र मशीन और ब्लैक फंगस के लिए एम्फोटेरिसिन दवाएं।

अस्पताल में भर्ती बागबान का एक्टर

# एम्बुलेंस की टक्कर के बाद 2 फिट तक घिसटते गए थे साहिल चड्ढा

फिल्म बागबान में अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी के बेटे का किरदार निभाने वाले अभिनेता साहिल चड्ढा अस्पताल में भर्ती हैं। बुधवार को उनका और उनकी पत्नी प्रोमिला का एक्सीडेंट हो गया था। बताया जा रहा है कि साहिल और प्रोमिला एक मीटिंग पूरी कर सेंट जेवियर कॉलेज के पीछे वाली गली में खड़ी अपनी कार की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान एक एम्बुलेंस ने उन्हें टक्कर मार दी थी। घटना के दौरान साहिल दो फीट तक घिसटते गए थे, जिसके चलते उनके पेट और जांघ में चोट आई है। दूसरी प्रोमिला का पैर फ्रैक्चर हो गया है।

### दो-तीन दिन में डिस्चार्ज होंगे साहिल

साहिल को बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जबकि प्रोमिला अपनी कजिन के साथ रह रही हैं। अगले दो-तीन दिन में साहिल को डिस्चार्ज किया जा सकता है। साहिल ने घटना को हैरान करने वाली और डरावनी बताया है। उन्होंने कहा कि ड्राइवर ज्यादा तेज गाड़ी नहीं चला रहा था, इसलिए वे बच गए। उनके मुताबिक, पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

**मेरी जिंदगी से बड़ी घटना टल गईः** एक बातचीत में साहिल ने कहा, मैं बुद्धिज्म का पालन करता हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी में एक बहुत बड़ी और अनचाही घटना घटते-घटते टल गई। इसमें कोई संदेह नहीं कि मैं कुछ दिनों तक ऑब्जरवेशन में रहूंगा। लेकिन भगवान की कृपा है। जो कुछ भी हुआ, वह बहुत ही शॉकिंग और डराने वाला है।

# दीवार वाले बिग बीः मांगे हुए पैसों से मदद नहीं करते अमिताभ बच्चन

## ब्लॉग पर लिखा- मुझे शर्मनाक लगता है, मैं बिना पूछे देता हूं

दीवार वाले अमिताभ इसलिए, क्योंकि उस फिल्म में वे कहते हैं- मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता। लेकिन असल लाइफ में अमिताभ मांगे हुए पैसे से मदद नहीं करते। अमिताभ बच्चन, इस बार भी कोरोना पीड़ितों की मदद कर रहे हैं, लेकिन पहले किसी से बता नहीं रहे थे। जब उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया जाने लगा तो उन्होंने इस काम की जानकारी अपने ब्लॉग पर रखी कि वे कितनी और कहां-कहां लोगों की मदद कर चुके हैं। अब बिग बी ने खुलासा किया है कि कोरोना राहत के लिए उनका व्यक्तिगत योगदान अक्सर फंडरेजर्स द्वारा एकत्र किए गए धन के बराबर होता है।

### कैम्पेन्स का वॉइस ओवर किया है मांगा नहीं

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर लिखा है कि वे फंडरेजर्स से दूर रहते हैं। क्योंकि उन्हें दूसरों से फंड के लिए कहना एम्बेरेसिंग लगता है। फैन्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि इतनी मदद के बाद भी उन्होंने फंडरेजर क्यों नहीं शुरू किया। बच्चन लिखते हैं-हो सकता है कि मैंने ऐसे किसी इवेंट में वॉइस-ओवर के रूप में हिस्सा लिया हो, लेकिन सीधे तौर पर देने या योगदान करने के लिए नहीं कहा और अगर ऐसी अनदेखी या अज्ञात घटनाएं हुई हैं तो मैं माफी मांगता हूं।

### मैंने कभी पूछा नहीं बस दिया है-बच्चन

अपने ब्लॉग के आखिर में अमिताभ लिखते हैं- मैंने प्रशंसा मांगने के लिए नहीं, इस बार किए गए कार्यों का विवरण दिया है, ताकि सभी इस बात से आश्वस्त रहें कि धन का उपयोग कहां किया गया है और इसका क्या फायदा हुआ है, क्योंकि मैंने पूछा नहीं, मैंने दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि कई बार, उनके द्वारा दिया गया डोनेशन फंड रेजर अमाउंट के बराबर होता है। बात अगर अमिताभ के काम की करें तो उनकी आने वाली फिल्मों में ब्रह्मास्त्र, झुंड, गुडबाय, मेडे के नाम शामिल हैं। वे कई ब्रांड्स का एंडोर्समेंट भी कर रहे हैं। हाल ही में केबीसी सीजन 13 के रजिस्ट्रेशन भी शुरू हुए हैं जिसमें अमिताभ बच्चन ही होस्ट होते हैं।

## महिंद्रा ने एम-प्रोटेक्ट कोविड प्लान के साथ किसानों का समर्थन किया

**मुंबई, एजेंसी।** महिंद्रा एंड महिंद्रा के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर, जो 19.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले महिंद्रा ग्रुप का एक घटक है, ने एम-प्रोजेक्ट कोविड प्लान लॉन्च किया है। यह महिंद्र द्वारा शुरू की गयी एक नयी ग्राहकोन्मुखी पहल है, जो इस चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय किसानों को समर्थन देने हेतु संकल्पित है। महिंद्रा के एम-प्रोजेक्ट कोविड प्लान का उद्देश्य महिंद्रा ट्रैक्टर के नये ग्राहकों और उनके परिवारों को कोविड-19 संक्रमण के संपर्क में आने के संभावित परिणाम से बचाना है प्रगति के बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, एम एंड एम लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के प्रेसिडेंट, हेमंत सिक्का ने कहा,महिंद्रा में हम अपने ग्राहकों और समुदाय की बेहद परवाह करते हैं और कोविड से संबंधित चुनौतियों को दूर करने के लिए सबसे जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए हमने कई पहल की है। हमारा नया एम-प्रोटेक्ट कोविड प्लान उस दिशा में किसानों को लक्षित एक नई पहल है, क्योंकि हम इस कठिन समय में भी सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उनके साथ खड़े हैं। एम-प्रोटेक्ट के साथ हमें एक कोविड संबंधित घटना के प्रभाव को कम करने के लिए उनकी सेवा और समर्थन करने का सौभाग्य मिला है। एम-प्रोटेक्ट के साथ हम आशा करते हैं कि हमारे किसान स्वस्थ जीवन जीते रहेंगे। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म डिविजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, शुभब्रत साहा ने कहा, मई और जून किसान समुदाय की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण महीने हैं और कोविड-19 कई चुनौतियां लेकर आया है। हमारी नई एम-प्रोटेक्ट कोविड योजना का उद्देश्य किसानों की चिंताओं को कम करना है क्योंकि हम इन महत्वपूर्ण कृषि संबंधी महीनों में उनका समर्थन करते हैं।

## देश के 6000 हजार रेलवे स्टेशनों पर शुरू हुई वाई-फाई की सुविधा

**नई दिल्ली।** झारखंड का हजारीबाग 6000 वां स्टेशन बन गया है जहां रेलवे ने मुफ्त वाई-फाई सेवा शनिवार को शुरू की। रेलवे ने सबसे पहले 2016 में मुंबई रेलवे स्टेशन पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करायी थी और इसके बाद पश्चिम बंगाल में मेदिनीपुर 5,000 वां स्टेशन था जहां इसकी शुरुआत की गई। रेलवे ने रविवार को बताया कि 15 मई को ओडिशा के अंगुल जिले के जरपदा स्टेशन पर भी यह सुविधा शुरू की गयी। रेलवे ने कहा, ''रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा भारत सरकार के 'डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों के लक्ष्यों को पूरा करती है। इससे ग्रामीण और शहरी नागरिकों के बीच डिजिटल खाई खत्म होगी और ग्रामीण इलाकों की भी डिजिटल स्तर पर मौजूदगी बढ़ेगी और प्रयोक्ताओं को अच्छा अनुभव मिलेगा। रेलवे ने बताया, ''भारतीय रेलवे अब 6000 स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा मुहैया करा रहा है।

## लुफ्थांसा जर्मनी और भारत के बीच दुबई के बजाय बहरीन से करेगी उड़ानों का संचालन

**नई दिल्ली।** विमानन कंपनी लुफ्थांसा जर्मनी और भारत के बीच सप्ताह में अपनी दस उड़ानों का संचालन दुबई की बजाय अब बहरीन से करेगी। यह निर्णय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा हाल ही में कोविड-19 के कारण लगाए गए प्रतिबंध के बाद लिया गया है। विमानन कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा, ''उड़ान संचालन में यह बदलाव यूएई के उस निर्णय के बाद लिया गया है जिसमें उसने भारत से आने वाली उड़ानों पर यात्रियों के पारगमन पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने कहा कि 16 मई यानी रविवार से फ़्रंकफ़र्ट और दिल्ली, मुंबई तथा बेंगलुरु के बीच सप्ताह में दस उड़ानों का पारगमन संचालन अब बहरीन से होगा। लुफ्थांसा कंपनी दरअसल भारत और जर्मनी के बीच निरंतर उड़ानों की बजाय सप्ताह में दस उड़ानों का संचालन कर रही थी ताकि चालक दल के सदस्यों को भारत में रुकने की जरूरत न पड़े। वर्तमान में चालक दल के सदस्यों की अदला-बदली भारत के बजाय खाड़ी देशों से हो रही हैं। विमानन कंपनी ने यह निर्णय भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर को ध्यान में रखते हुए लिया है।

# फिर गिरा सोने का भाव चांदी की कीमत में उछाल

**नई दिल्ली।** सराफा बाजार में आज फिर वायदा बाजार में सोने के दाम में गिरावट देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जून, 2021 में डिलिवरी वाले सोने की कीमत 97 रुपए यानी 0.20 फीसद की गिरावट के साथ 48,377 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं बीते सत्र की बात की जाए तो जून में कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 48,474 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 98 रुपए यानी 0.20 फीसद की टूट के साथ 48,871 रुपए प्रति 10 ग्राम चल रहा था। साथ ही सोमवार को अगस्त में डिलिवरी वाले सोने का भाव 48,969 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था।

### आज चांदी का भाव

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जुलाई, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी का भाव 526 रुपए यानी 0.72 फीसद की तेजी के साथ 73,850 रुपए प्रति किलोग्राम पर चल रही थी। इससे जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी का भाव 73,324 रुरए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। सितंबर, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी का भाव 499 रुपये यानी 0.67 फीसद की बढ़त के साथ 74,870 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेंड कर रहा था। सोमवार को सितंबर, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 74,371 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी।

### ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक कॉमेक्स पर जून, 2021 में डिलिवरी वाला सोने का भाव दो डॉलर यानी 1.11 फीसद की तेजी के साथ 1,869.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रहा था। स्पॉट मार्केट में सोने का भाव 3.64 डॉलर यानी 0.19 फीसद की तेजी के साथ 1,870.54 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था। COMEX पर जुलाई, 2021 में डिलिवरी वाली चांदी की कीमत 0.42 डॉलर यानी 1.49 फीसद की तेजी के साथ 28.70 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी। इसी तरह स्पॉट मार्केट में चांदी का भाव 0.34 डॉलर यानी 1.19 फीसद के उछाल के साथ 28.51 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रही थी।

## बिक्री बढ़ने से बिरला कॉर्पोरेशन का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत बढ़ा

**कोलकाता ।** बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बुधवार को चौथी तिमाही में 249.33 करोड़ रुपए की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि में 194.73 करोड़ रुपए से 28 प्रतिशत अधिक था, क्योंकि बिक्री 24.5 प्रतिशत बढ़कर 4.17 मिलियन टन (एमटी) हो गई। 31 मार्च तक 2,146.12 करोड़ रुपए की आय के साथ तीन महीने में कुल राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 24.9 प्रतिशत अधिक रही। कंपनी की उत्पादन क्षमता के 108 प्रतिशत तक के उपयोग के चलते उत्पादन और बिक्री बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा और ये तिमाही साल की सबसे बेहतर तिमाही साबित हुई। वित्त वर्ष 20-21 की शुरुआत में कोविड-19 महामारी के कारण परिचालन में बड़े पैमाने पर व्यवधानों को पार करते हुए, बिरला कॉर्पोरेशन अपने पिछले साल के तुलना में 24.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ कुल 630.14 करोड़ रुपए के उच्चतम लाभ के साथ पूर्ण वर्ष में शानदार शुद्ध लाभ दर्ज करने में सफल रहा। पहली तिमाही में बिक्री में कमी के कारण, पूरे वर्ष के लिए कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत गिरकर 6,885.36 करोड़ रुपए रहा।

# मशहूर कंपनी रॉयल एनफील्ड वापस लेगी 2 लाख 37 हजार बाइक

दोपहिया वाहन निर्माता रॉयल एनफील्ड ने बुधवार को कहा कि वह करीब 2.36,966 यूनिट बाइक रिकॉल कर रही है। इनमें क्लासिक, बुलेट और मीटिऑर मॉडल शामिल हैं। ये वाहन भारत, थाइलैंड, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व मलेशिया में बेचे गए हैं। कंपनी का कहना है कि इन वाहनों के इग्नीशन कॉयल में खामी का अंदेशा है। इस तरह की खामी से वाहन में मिसफायरिंग हो सकती है और वाहन के प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ सकता है। दुर्लभ मामलों में इस खामी से वाहन में इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट जैसी घटना भी हो सकती है। वाहन कंपनियां हाल ही में बने वाहनों की सीरीज में से चुने गए किसी भी वाहन की आंतरिक प्रयोगशाला में नियमित तौर पर परीक्षण करती रहती हैं, जो एक सतत प्रक्रिया है। इस परीक्षण के दौरान किसी तरह की खामी नजर आने की स्थिति में

कंपनियां ग्राहकों से उस सीरीज के वाहन वापस मंगवा लेती है और संभावित खामी की जांच करती हैं। खामी पाए जाने पर उसे मुफ्त में सुधारा जाता है। इसे व्हीकल रिकॉलिंग कहा जाता है। आयशर मोटर्स के स्वामित्व वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने बताया कि रिकॉलिंग प्रक्रिया में शामिल मीटिऑर मॉडल के वाहन पिछले वर्ष दिसंबर से इस वर्ष अप्रैल के अंत तक निर्मित और बेचे गए हैं। रिकॉलिंग में शामिल क्लासिक और बुलेट वाहनों का निर्माण और बिक्री इस वर्ष जनवरी-अप्रैल में हुई है। कंपनी ने कहा है कि इन वाहनों का परीक्षण किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर पुर्जे बदल दिए जाएंगे। कंपनी का मानना है कि इनमें से 10 फीसद से भी कम वाहन में पुर्जे बदलने की जरूरत पड़ेगी।

### शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल,

# सेंसेक्स फिर 50 हजार पार

देश में कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ चुकी है और इसका सकारात्मक असर शेयर बाजार पर देखने को मिला। मंगलवार को खुलते ही सेंसेक्स में जबरदस्त तेजी रही। करीब 500 अंकों की तेजी के साथ खुला सेंसेक्स 50 हजार के स्तर को पार कर गया। वहीं निफ्टी भी 15000 से ऊपर पहुंच गया। 10.00 बजे सेंसेक्स में 50,082.08 अंक के स्तर पर (501.35 अंक या +1.01त्न की तेजी) के साथ ट्रेडिंग हुई। वहीं ह्रस्थ्र 15,084.45 के स्तर पर रहा। यहां 161.30 अंक या +1.08त्न की तेजी रही। सबसे ज्यादा तेजी बैकिंग से जुड़े स्टाक्स में देखी गई है। मंगलवार को सुबह 9.15 बजे सेंसेक्स 49,986 अंक पर खुला। इसमें सोमवार के बंद से करीब 500 अंक की तेजी देखी गई। 9.30 बजे के करीब इसमें और तेजी देखी गई और यह 50,183.20 अंक पर पहुंच गया। लगभग सभी बैंकों के शेयर 1.3 फीसद से 2.7 फीसद के बीच चढ़े हुए थे। Bharti Airtel के शेयर में गिरावट देखने को मिली। विदेशी कंपनियों की भारतीय सहायकों के क्रेडिट कार्ड बिल पर लगेगा जीएसटी अपीलेट अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग (एएएआर) की तमिलनाडु इकाई ने कहा है कि अगर कोई विदेशी कंपनी

अपनी भारतीय सहायक शाखा के किसी कर्मचारी के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान करती है, तो उस बिल पर 18 फीसद की दर से जीएसटी लगेगा। अथॉरिटी का कहना था कि कारोबारी खर्च के लिए मुहैया कराए गए क्रेडिट कार्ड और उस पर इस तरह का कोई भी भुगतान उस कर्मचारी को विदेशी कंपनी द्वारा दिया गया एडवांस और एक सेवा माना जाएगा।

# 3.5 करोड़ कर्मचारियों ने पीएफ से 1.25 लाख करोड़ निकाले अप्रैल 2020 से

**मुंबई।** कोविड-19 का देश में औपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले नौकरीपेशा लोगों पर बुरा असर पड़ा है। एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन के डाटा के मुताबिक, 1 अप्रैल 2020 से 12 मई तक 3.5 करोड़ कर्मचारियों ने अपने प्रॉविडेंट फंड खाते से 1.25 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है। डाटा के मुताबिक, इपीएफओ के 6 करोड़ सब्सक्राइबर्स में से आधे से ज्यादा ने कोरोनाकाल में पैसे की निकासी की है।

**इपीएफओ ने वित्त वर्ष 2019 में 81,200 करोड़ के क्लेम सेटल किए:** डाटा के मुताबिक, 1.25 करोड़ रुपए की निकासी में इपीएफओ की ओर से पीएफ, पेंशन, डेथ इंश्योरेंस और ट्रांसफर के तौर पर सेटल किए गए क्लेम भी शामिल हैं। ईटी की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वित्त वर्ष 2019 में इपीएफओ ने 81,200 करोड़ रुपए के क्लेम सेटल किए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, 1 अप्रैल 2020 से 12 मई 2021 के दौरान 72 लाख कर्मचारियों ने कोविड-19 नॉन-रिफंडेबल यानी ना लौटाए जाने वाला एडवांस लिया है। इन कर्मचारियों ने एडवांस के तौर पर 18,500 करोड़ रुपए की राशि ली है।

सरकार ने मार्च 2020 में दी थी एडवांस की सुविधा: केंद्र सरकार ने मार्च 2020 में ईपीएफ सब्सक्राइबर्स को एडवांस लेने की सुविधा दी थी। इसके तहत सब्सक्राइबर अपने पीएफ खाते में जमा राशि का 75 प्रतिशत या तीन महीने

की सैलरी के बराबर राशि की निकासी कर सकते थे। इन दोनों में से जो भी राशि कम थी, उसकी निकासी की जा सकती थी। यह राशि नॉन-रिफंडेबल एडवांस यानी लौटाई नहीं जानी थी।

**रिटायरमेंट विड्रॉल में 10 प्रतिशत का उछाल:** रिपोर्ट के मुताबिक, वार्षिक आधार पर विड्रॉल में 10 प्रतिशत का उछाल रहा है। इसका प्रमुख कारण ज्यादा रिटायरमेंट और नौकरी में बदलाव रहा है। कोविड-19 विड्रॉल के कारण इसमें महत्वपूर्ण उछाल रहा है। एक्सएलआरआइ में प्रोफेसर केआर श्याम सुंदर का कहना है कि कोविड के कारण प्रति व्यक्ति औसत विड्रॉल 25 हजार रुपए रहा है। इसका मतलब यह है कि मासिक औसत कमाई 8 से 9 हजार रुपए रही है। दूसरे शब्दों में कहा तो कोविड-19 विड्रॉल सुविधा का लाभ अनस्किल्ड और कम सैलर वाले लोगों ने लिया है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया ( समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। )